श्रावण शुक्ल पक्ष अष्टमी, संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 30 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

02 अगस्त 2025 शनिवार

आज का मौसम

26 अधिकतम

23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ट्रंप की टैरिफगिरी भारत से ज्यादा अमेरिका पर भारी पड़ेगी

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

खुद को दुनिया का दरोगा समझने वाले अमेरिका की ट्रंपगिरी भारत से ज्यादा उसी पर भारी पड़ने वाली है। जब अमेरिका की दुनिया पर दरोगागिरी नाकाम होने लगी तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ वार शुरू करके कई देशों को घुटने पर लाने का जो दांव चला है, उसका नुकसान उसे भुगतना पड़ सकता है। मंहगाई के साथ उसकी करंसी के नीचे जाने का खतरा ट्रंप ने मोल ले लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति की टेरिफगिरी के साथ ही उनकी अपने बेटे को व्यापार और सियासत में आगे बढ़ाने साथ शांति के नोबल पुरस्कार की हसरतों से अमेरिकी जनता भी हैरत में हैं।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ताजा रिसर्च के मुताबिक भारत से ज्यादा अमेरिका को होने वाले नुकसान की आशंका है। मंहगाई बढने से लेकर यूएसए को डॉलर के कमजोर होने का सामना करना पड़ सकता है। एसबीआई का अनुमान है कि अमेरिका में महंगाई 2026 तक 2 परसेंट के तय टारगेट से ऊपर जाएगी। ऐसा टैरिफ के सप्लाई-साइड इफेक्ट्स और एक्सचेंज रेट में बदलाव के कारण होगा। रिसर्च के मुताबिक शॉर्ट-टर्म में अमेरिकी टैरिफ के चसते औसत अमेरिकी घर पर सालाना 2,400 डॉलर का बोझ बढ़ सकता है। ट्रंप ने भारत पर एक अगस्त से 25 फीसदी टैरिफ लगाने का जो फैसला लिया है वह 8 अगस्त से लागू होने की उम्मीद है। हालांकि इसी महीने के अंत में यानि 25 अगस्त को एक अमेरिकी दल भारत आने वाला है। भारतीय कामर्स मिनिस्ट्री के मुताबिक टैरिफ के साथ भारत पर पेनाल्टी में कई चीजें साफ नहीं हैं।

वैसे भी भारत पर आर्थिक पाबंदी जैसे फैसले वह स्व. इंदिरा गांधी और बाद में अटल बिहारी वाजपेयी के राज में पोखरण परमाणु विस्फोट के बावजूद अमेरिका ने पहले भी लगाए थे लेकिन उसका असर भारत झेल गया और न इंदिरा गांधी और न वाजपेयी सरकार ने इसकी परवाह की। भारतीय ने यह झटके भी इसीलिए झेल लिए क्योंकि जीडीपी में 60 फीसदी हिस्सा कृषि पर आधारित था। अब हालात पहले से काफी बेहतर हैं। दुनिया में साढ़े छह फीसदी(यूएस जीडीपी डेढ़ फीसदी से कम) की दर से हो रही ग्रोथ के चलते ज्यादा असर भारत पर नहीं होगा। भारत पहले ही ब्रिटेन से जीरो टैरिफ का फैसला कर चुका है। वह साऊथ अफ्रीका और एशिया के अन्य देशों के साथ यूरोपियन देशों से भी कारोबार बढ़ाकर हानि की भरपाई कर सकता है।

गौरतलब है कि अमेरिका ने भारत से नाखुशी की वजह कई हैं। पहले मोदी सरकार ने अमेरिकी पाबंदी के बावजूद पहले काफी समय ईरान से क्रूड आयल खरीदा क्योंकि वह रूपयों में उसका भुगतान को राजी था। । रूस यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने दूसरे तेल निर्यातक देशों के मुकाबले रूस से 15 से 20 डॉलर प्रति बैरल से कम कीमत पर तेल खरीदा। अभी भारत अपनी जरूरत ता 43 फीसदी क्रूड आयल रूस से खरीद रहा है। यह चुभन भी ट्रंप के मन में हैं क्योंकि सत्ता संभालते ही रूस- यूक्रेन युद्ध बंद कराने के उनके ऐलान पर पानी फिर चुका है। वह भारत के अमेरिका विरोधी समूह ब्रिक्स (ब्राजील,रूस,भारत, चीन और साऊथ अफ्रीका) से जुड़ाव के कारण भी चिढ़ा बैठा है। इससे मिस्त्र,इथियोपिया, ईरान और यूएई के जुडने से उसके डॉलर पर खतरा और बढ़ा गया है।

ट्रंपगिरी का फैसला भारत पर थोपने के बाद मोदी सरकार ने भी अमेरिका से उसके सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान एफ-35 खरीदने से साफ मना करके पलटवार किया है। उसकी दिलचस्पी खुद का रक्षा उत्पादन बढ़ाने और बाहर से खरीदी फ्रांस और रूस में ज्यादा दिलचस्पी ले रहा है। वैसे भी भारत अब हथियारों के मामले में तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। करीब सौ देश उससे हथियार और रक्षा उत्पाद खरीद रहे हैं। बीते साल उसने 122 लाख करोड़ का निर्यात इस क्षेत्र में किया जो इस साल 1 लाख 68 हजार करोड़ का लक्ष्य उसने साध रखा है। खासतौर पर देखें तो ऑपरेशन सिंदुर के बाद भारतीय हथियारों की विदेशों में मांग बढ़ रही है जिससे यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है।

अगर आंकड़ों के आईने में देखा जाए तो भारत ने 2024 में पूरी दुनिया को 72 लाख 36 हजार करोड़ का सामान निर्यात किया। इसमें अमेरिकी को निर्यात की हिस्सेदारी मात्र 18 फीसदी ही है। चीन के बाद भारत से अमेरिका ज्यादा आयात करता है। लेकिन उसने चीन पर और ज्यादा टैरिफ उसने लगाया है। अमेरिका और भारत के बीच बीते साल 129 अरब डालर का जो कारोबार हुआ उसमें भारत ने 7 करोड़ 51 लाख हजार का निर्यात किया और अमेरिका से 3.52 लाख करोड़ रूपए का आयात रहा। यूएए ने पाकिस्तान से खरीदी पर लगने वाले टैरिफ को 28 से घटाकर 18 फीसदी और बांग्लादेश से 29 फीसदी से घटाकर 19 फीसदी तक करके भारत को चिढ़ाने की कोशिश की है। इससे भारतीय व्यापार पर ज्यादा असर नहीं होगा, क्योंकि दोनों देशों के पास निर्यात के सामान सीमित है। लेकिन जापान, वियतनाम जैसे कुछ देशों पर उसने कम टैरिफ रखकर संतुलन साधने की कोशिश की है। लेकिन ट्रंप को यह भूल गए कि व्यापार में कोई भी देश वे वहीं से खरीदी ज्यादा करते हैं जहां उसे सस्ता माल मिलता है।

जहां तक भारतीय विदेश नीति की बात है तो रूस ही एकमात्र ऐसा देश है जिससे भारत पंडित नेहरू से लेकर इंदिराजी, अटलजी और मोदी सहित सभी भारतीय प्रधानमंत्रियों ने कायम रखा है और उसके साथ रिश्तों में कभी कमी नहीं आने दी। अमेरिका ने तो अपनी ट्रंपगिरी दुनिया को दिखा दी है, अब बारी उसके अमेरिकी हितों की कसौटी पर खरी उतरने की बारी है। भारत के रत्न हीरे जवाहरात और इलेक्ट्रनिक्स जैसे उपकरणों से जुड़े कारोबारी जरूर चिंता जता रहे हैं लेकिन निर्यात के लिए नए साथी खोजकर वह अपनी चिंताओं का समाधान कर सकते हैं। अमेरिका की फ्रिक इस बात को लेकर भी हैं कि कहीं चीन उसके मेकिंग अमेरिका फर्स्ट के नारे को फीका नहीं कर दे। बहरहाल अभी सभी आगे देखो की रणनीति के साथ निर्यात के वैकल्पिक समाधान खोज रहे हैं। आगे-आगे देखिए होता है क्या?

पीएम ने संसदीय क्षेत्र की दी सौगातें, मप्र में सीएम ने सीहोर में किया 'निवेश यज्ञ'

पाक के आतंकी अड्डे खंडहर, एयरबेस आईसीयू में, विपक्षी इससे दुखी: मोदी

वाराणसी, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर हैं,यहां उन्होंने 2183.45 करोड़ रुपये की लागत वाली 52 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त भी जारी की। रक्षाबंधन से पहले सावन के महीने में उनका ये दौरा पूर्वांचल के लिये खासा महतव्पूर्ण है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा में कहा, 'आज मैं ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार काशी आया हूं जब 22 अप्रैल पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था और 26 निर्दोष लोगों की बेहरमी से हत्या कर दी गई थी तब मैंने जो वचन दिया था वो भी महादेश के आशीर्वाद से पूरा हुआ है। मोदी ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने पूरी दुनिया को संदेश दे दिया है कि भारत पर जो वार करेगा, वो पाताल में भी नहीं बचेगा। कांग्रेस के लोग इस बात को पचा नहीं पा रहे कि हमने पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को तबाह कर दिया। हमने पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों को खंडहर बना दिया। पाकिस्तान के कई एयरबेस तो आज भी आईसीयू में पड़े हैं।

पाक दुखी है, ये तो समझा जा सकता है। लेकिन, कांग्रेस और सपा वाले इन आतंकियों की हालत देखकर रो रहे हैं। 'किसान सम्मान निधि की 21वीं पर पीएम ने कहा, 'जब काशी से धन जाता है तो वो अपने आप में प्रसाद बन जाता है। जबकि पहले के सरकारों में किसानों के नाम पर एक घोषणा भी पूरी होना मुश्किल थी। पीएम ने कहा कि जल्द ही 3 लाख करोड़ लखपति दीदी बनाने जा रहा हूं। यह आंकड़ा सुनकर ही सपा वाले साइकिल लेकर भाग जाएंगे।

भारतीय रिजर्व बैंक की अहम बैठक

रेपो रेट में होगी कटौती, आएगी जल्दी दीपावली वाली फीलिंग

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक आगामी 5 से 7 अगस्त को होने वाली मौद्रिक नीति समिति बैठक में रेपो दर में 25 आधार अंकों (बीपीएस) की कटौती की घोषणा कर सकता है। भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगस्त में दरों में एकमुश्त कटौती से ऋण वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा, जिससे 'जल्दी दिवाली' जैसी फीलिंग आ सकती है।

दरअसल वित्त वर्ष 2026 का त्योहारी सीजन शुरू हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले आंकड़े एक स्पष्ट रुझान दिखाते हैं कि दिवाली से पहले रेपो दर में किसी भी कटौती से त्योहारी अवधि के दौरान ऋण वृद्धि में इजाफा हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि दिवाली, भारत के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है इस कारण, इस मौके पर उपभोक्ता खर्च में वृद्धि दिखती, और दिवाली से पहले कम ब्याज दर का माहौल ऋण मांग को बेहतर बनाने में मदद करता है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि जब भी त्योहारी सीजन जल्दी शुरू हुआ है और दरों में कटौती से पहले ऋण वृद्धि में मज़बूत वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में जोर दिया गया है कि मुद्रास्फीति अब कई महीनों तक आरबीआई के लक्ष्य सीमा के भीतर है, इसलिए प्रतिबंधात्मक नीतिगत रुख जारी रखने से उत्पादन में नुकसान हो सकता है, जिसे ठीक करना मुश्किल है।

रिपोर्ट के अनुसार टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितताएं, जीडीपी वृद्धि, वित्त वर्ष 27 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़े और यहां तक कि वित्त वर्ष 26 का त्योहारी सीजन भी, सभी का असर अर्थव्यवस्था पर दिख सकता है।

सीएम ने चार औद्योगिक इकाईयों की नींव रखी

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव आज सीहोर जिले के औद्योगिक क्षेत्र बड़ियाखेड़ी में चार औद्योगिक इकाइयों का भूमि-पूजन कर रहे हैं। इन इकाइयों में लगभग 1,406 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है तथा इससे 854 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री छह औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन के आशय पत्र भी सौंप रहे हैं, जिनके माध्यम से 33.85 करोड़ रुपए का निवेश और 311 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इस प्रकार, सीहोर में कुल 1,440 करोड़ रुपये का निवेश और 1,165 रोजगार के अवसर निर्मित होंगे। इन निवेशों के तहत वान्यावेदा ग्रीन्स झिलेला सीहोर में 20.020 हेक्टेयर में स्थापित होगी। इस खाद्य प्रसंस्करण इकाई में सौ रोजगार मिलेगें। इसी प्रकार बारमॉल्ट माल्टिंग इंडिया 400 करोड़ रुपये के निवेश से माल्ट निर्माता कंपनी की इकाई स्थापित होगी, जिससे 350 लोगों को रोजगार मिलेगा। सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशन 888 करोड़ रुपये से एशिया की सबसे बड़ी ट्रांसफार्मर इकाई स्थापित होगी, जिसमें 394 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसी प्रकार श्रीकृष्णा इंडस्ट्रीज 3 करोड़ रुपये के निवेश से खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित कर रही है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अविभाजित मध्यप्रदेश के पहले मुख्यमंत्री पंडित रविशंकर शुक्ल की जयंती पर विधानसभा परिसर में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

सुरक्षा बलों ने लश्कर के आतंकी को ढेर किया

श्रीनगर एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में कुलगाम के अखल जंगल में सुरक्षाबलों ने आज लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकवादी को सुरक्षाबलों ने मार गिराया। आतंकी की पहचान पुलवामा के हारिस नजीर डार के रूप में हुई है। हारिस उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम सरकार ने पहलगाम हमले के बाद जारी किए थे। हारिस सी-कैटेगरी का आतंकी था। उसके पास से AK-47 राइफल, मैगजीन और ग्रेनेड और गोला-बारूद बरामद हुआ है।

जेल में युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाए हत्या के आरोप

अमित श्रीवास्तव औबेदुल्लागंज। गौहरगंज जेल में बंद कैदी तिलक सिंह शाक्या (22) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामला गरमा रहा है। जेल प्रशासन का कहना है कि तिलक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की। मृतक युवक बलात्कार और पॉक्सो एक्ट के मामले में दोषी करार देकर पिछले आठ माह से जेल में सजा काट रहा था। परिजनों का आरोप है कि जेल प्रशासन तिलक पर लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना कर रहा था। उनसे 12,हजार रुपये की अवैध मांग की गई थी और जेल में मारपीट भी होती थी। परिजनों ने यह भी दावा किया कि मुलाकात के दौरान तिलक ने खुद बताया था कि जेलर और कर्मचारी पैसे की मांग कर रहे हैं और न देने पर धमकाते हैं। तिलक का शव औबेदुल्लागंज स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम के लिए रखा गया है। जेलर यशवंत शिल्पकार ने मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। माना जाता है जेल प्रशासन पूरे घटनाक्रम को दबाने की कोशिश में है, जिससे कैदियों की सुरक्षा और जेल व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इंडिगो की फ्लाइट में हुई थप्पड़बाजी, यात्री गिरफ्तार

मुंबई। इंडिगो एयरलाइंस की कोलकाता जा रही फ्लाइट में एक यात्री ने अचानक दूसरे यात्री को थप्पड़ मार दिया। पीड़ित यात्री उस वक्त पैनिक अटैक (घबराहट) से जूझ रहा था। ये पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जिस यात्री को पैनिक अटैक आया था, उसकी एयर होस्टेस मदद कर रही थीं। उसी दौरान एक अन्य यात्री ने बिना किसी उकसावे के उसे जोरदार थप्पड़ जड़ दिया।

मेट्रो एंकर

भाजपा नेतृत्व उपराष्ट्रपति चुनाव की मशक्कत में जुटा

अब सितंबर तक टलेगा नए भाजपा चीफ का फैसला!

नई दिल्ली, एजेंसी

लंबे समय से टलता आ रहा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का मामला अब अगले महीने तक भी टल सकता है। इसकी वजह उपराष्ट्रपति चुनाव को माना जा रहा है। दरअसल कल ही चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि उपराष्ट्रपति पद का चुनाव 9 सितंबर को होगा। इसकी आवश्यकता पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिए जाने की वजह से आई है। कुछ रिपोर्ट के अनुसार पार्टी ने अब इस चुनाव के संपन्न होने तक अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। पहले संभावना थी कि बिहार चुनाव को देखते हुए संसद के मॉनसून सत्र के दौरान ही या इसके तुरंत बाद सत्ताधारी दल को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। कहा जा रहा है कि बीजेपी अब उपराष्ट्रपति चुनाव होने तक अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की घोषणा नहीं करेगी। एक मीडिया रिपोर्ट में बीजेपी के वरिष्ठ सूत्रों के हवाले से जानकारी दी गई है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले से ही टलते आ रहे मौजूदा बीजेपी अध्यक्ष नड्डा उत्तराधिकारी को चुनने का फैसला पार्टी का शीर्ष नेतृत्व सितंबर तक टालने का विचार कर रहा है। हालांकि, पार्टी के एक विश्वस्त सूत्र के हवाले से यह भी दावा किया गया है कि नड्डा की जगह पार्टी को उनका उत्तराधिकारी बिहार चुनाव से पहले ही मिलने की उम्मीद है। हालांकि कुछ भाजपा नेता इतना कह रहे हैं कि सिर्फ इतना ही मालूम है कि शुक्रवार देर रात राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा की राष्ट्रीय महामंत्रियों से बात हुई है। लेकिन, इसमें क्या कुछ हुआ है, इसकी जानकारी निकलकर सामने नहीं आई है। वहीं उपराष्ट्रपति और पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के संभावित नामों पर भी कई अटकले हैं। चर्चा धर्मेंद्र प्रधान और मनोहर लाल खट्टर तक भी पहुंच रही हैं। बीजेपी के लिए उपराष्ट्पति का चुनाव महत्वपूर्ण हो चुका है। हालांकि, सरकार के पास राज्यसभा में भी पूर्ण बहुमत है, लेकिन वहां पर वह ऐसे व्यक्ति को सभापति के रूप में देखना चाहेगी, जो सदन में इसके लिए रास्ता सुगम बनाए रख सके। अलबत्ता पार्टी को एक अच्छी खबर ये मिली है कि उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले राज्यसभा के तीन मनोनीत सदस्यों ने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। इसकी वजह से अब उच्च सदन में बीजेपी के अपने सांसदों की संख्या बढ़कर 102 हो गई है। उज्ज्वल निकम, हर्षवर्धन श्रृंगला और सी सदानंदन मास्टर जैसे मनोनीत सदस्यों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है।

धांधली न होती तो...फिर चुनाव आयोग पर हमलावर हुए राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पिछले 10 दिनों में आज तीसरी बार इलेक्शन कमीशन पर निशाना साधा है। राहुल ने शनिवार को विज्ञान भवन में आयोजित एनुअल लीगल कॉन्क्लेव- 2025 में कहा कि भारत का इलेक्शन सिस्टम मर चुका है। हम आने वाले कुछ दिनों में आपको साबित कर देंगे कि लोकसभा चुनाव में कैसे धांधली हो सकती है और हुई भी। उन्होंने कहा कि भारत के पीएम के पास बहुत कम बहुमत है। अगर 10-15 सीटों पर भी धांधली न होती तो वे भारत के प्रधानमंत्री भी नहीं होते। इससे पहले राहुल ने 1 अगस्त को कहा था कि, चुनाव आयोग में जो भी वोट चुराने का काम कर रहे हैं, उन्हें हम छोड़ेंगे नहीं। वहीं 24 जुलाई को राहुल बोले थे कि आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे बच जाएंगे, तो ये आपकी गलतफहमी है। हम आपको बच के जाने नहीं देंगे।'

ईमानदारी को सलाम और इनाम

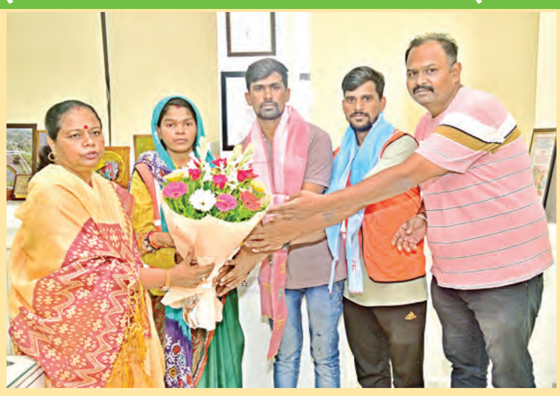

भोपाल। नगर निगम ने वार्ड 58 के सफाई मित्रों के ईमानदारी भरे कार्य पर उन्हें सम्मानित किया। सफाई मित्र संतोष (ड्राइवर), ममता और विनोद (लेबर) को ए-सेक्टर कस्तूरबा में सफाई के दौरान एक डस्टबिन से 60,000 रुपए कीमत के चांदी के बर्तन प्राप्त हुए थे। मगर बिना किसी लालच के उन्होंने वह बर्तन स्वयं लौटाकर ईमानदारी की मिसाल पेश की। महापौर मालती राय ने सम्मानित किया। नगर निगम में कहा है कि इन जमीनी नायकों का यह कार्य न सिर्फ नगर निगम की गरिमा को बढ़ाता है, बल्कि सभी कर्मियों को को सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता का संदेश भी देता है।

मेट्रो चलाने से पहले सीएमआरएस निरीक्षण की तैयारी हुईं तेज

भोपाल दोपहर मेट्रो

इस साल अक्टूबर में मेट्रो के कमर्शियल संचालन से पहले सीएमआरएस (कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी) के निरीक्षण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने गुरुवार को सुभाष नगर स्थित मेट्रो डिपो का निरीक्षण किया। उन्होंने इंस्पेक्शन बे लाइन (आईबीएल), रिपेयर बे लाइन (आरबीएल) और विभिन्न सिस्टम रूम के साथ यहां बने टेस्ट ट्रैक का बारीकी से निरीक्षण किया।

यहां चल रहे कामों की जानकारी ली और निश्चित समय सीमा में उन्हें पूरा करने को कहा। एमडी ने ऑक्सिलियरी सब स्टेशन, ट्रैक्शन सब स्टेशन, एडमिन बिल्डिंग में कंट्रोल रूम सहित प्रमुख सिस्टम रूम की प्रगति की भी विस्तृत जानकारी ली।

इसके बाद डिपो रोड, रैम्प एरिया, अनलोडिंग-बे, बाउंड्री वॉल, ट्रेनिंग बिल्डिंग, पंप रूम के साथ ही डिपो की ड्रेनेज व्यवस्था की भी जानकारी ली। सीएमआरएस की टीम भी अपने निरीक्षण में इन सबका निरीक्षण करती है। इसके अलावा मेट्रो स्टेशन, ट्रैक का भी निरीक्षण होता है। साथ ही मेट्रो के सेफ्टी नॉर्म्स भी देखे जाते हैं और पूरे ट्रैक पर ट्रायल होता है। यही वजह है कि इन दिनों बार-बार मेट्रो का फुल स्पीड और फुल लोड पर ट्रायल कई बार होता हुआ नजर आता है।

आवेदन की तारीख भी 7 तक बढ़ाई

हजयात्रियों के लिए अब डिजिटल कुर्रा, नया इम्बार्केशन पॉइंट् भी

भोपाल। हज के लिए जाने वाले यात्रियों के लिये हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा हज आवेदन की अंतिम तिथि को अब 7 अगस्त की मध्यरात तक कर दिया गया है। इस बार डिजिटल कुर्रा भी निकाला जाएगा। मप्र राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष रफत वारसी ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया ने 31 जुलाई को परिपत्र जारी कर यह निर्णय लिया है।

साथ ही स्पष्ट किया गया है कि इसके बाद आवेदन की तारीख नहीं बढ़ाई जाएगी, इसलिए जिन इच्छुक लोगों ने अब तक आवेदन नहीं किया है, वे समय रहते वेबसाइट पर जाकर आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें। इस वर्ष एक अहम बदलाव यह भी किया गया है कि देश के 17 इम्बार्केशन पॉइंट्स के साथ अब विजयवाड़ा को भी 30 जुलाई से एक नया इम्वार्केशन पॉइंट घोषित कर दिया गया है। जिन आवेदकों ने पहले से आवेदन कर दिया है और अब विजयवाड़ा को अपनी पसंद के रूप में चुनना चाहते हैं, वे आवश्यक बदलाव हेतु राज्य हज कमेटी से संपर्क कर सकते हैं। वारसी के मुताबिक आवेदन की अंतिम तिथि समाप्त होते ही हज यात्रियों के चयन के लिए डिजिटल कुर्रा प्रक्रिया की जाएगी। इस प्रक्रिया में चयनित होने वाले प्रोविजनल हज यात्रियों को 20 अगस्त तक 1,52,300 रुपए की अग्रिम राशि जमा करनी होगी।

भोपाल रेल मंडल की पंक्चुअलिटी रिपोर्ट

लेटलतीफी में अव्वल ! हर चौथी ट्रेन समय मिलाने के लिए कर रही 'संघर्ष'

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी में आने जाने वाली हर चौथी ट्रेन लेटलतीफ हैस यह खुलासा रेल मंडल की जनवरी से जून तक पंक्चुअलिटी रिपोर्ट में हुआ है। इसमें कहा गया है कि मंडल की ट्रेनों की औसत समय-पालन दर केवल 75.22त्न रही। रिपोर्ट में प्रमुख ट्रेनों की समय-पालन स्थिति, रद्द या डायवर्ट या रीशेड्यूल की गई ट्रेनों और देरी के कारणों का ब्योरा दर्ज है। खबरों के मुताबिक पिछले छह महीनों में भोपाल रेल मंडल से कुल 37,250 प्रीमियम ट्रेनें शेड्यूल की गईं, जिनमें से 7,649 ट्रेनें लेट हुईं। वहीं, 8,267 पैसेंजर ट्रेनें चलाई गईं, जिनमें 3,202 ट्रेनें देर से चलीं। मगर प्रीमियम और हाई-प्रोफाइल वे ट्रेनें, जिनमें बिजनेस क्लास, मिडिल क्लास और वीआईपी यात्री सफर करते हैं, अपेक्षाकृत समय की ज्यादा पाबंद मिली हैं। दूसरी ओर, मेमू और पैसेंजर ट्रेनें, जिनसे मजदूर, किसान, कर्मचारी और विद्यार्थी यात्रा करते हैं, रोजाना लेट होती हैं।

उल्लेखनीय है कि भोपाल मंडल में प्रतिदिन औसतन 2.25 लाख यात्री 87 स्टेशनों से सफर करते हैं। ये यात्री लगभग 230 से 250 ट्रेनों में यात्रा करते हैं। इनमें भोपाल से करीब साठ हजार, रानी कमलापति स्टेशन से लगभग 25,000 यात्री सफर करते हैं तो इटारसी से करीब 22 हजार व बीना से 18 हजार मुसाफिर सफर करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दर्ज

45,517 ट्रेनों में से 10,751 ट्रेनें तय समय से देर से चलीं, यानी हर चौथी ट्रेन लेट रही।

माना जाता है कि वह प्रीमियम ट्रेनें जैसे वंदे भारत, राजधानी, जनशताब्दी, गरीब रथ, जिन्हें प्राथमिकता मिलती है, स्टॉपेज कम होते हैं और जिनका ट्रैक अधिकतर खाली रहता है, उनके पास समय की भरपाई की संभावना अधिक होती है। इसके उलट, मेमू और पैसेंजर ट्रेनें अक्सर आउटर पर रोकी जाती हैं, उन्हें ओवरटेक कराया जाता है।

वंदे भारत भी समय से पीछे !

वहीं निजामुद्दीन से चलकर भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन (आरकेएमपी) आने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस पंक्चुअलिटी के पैरामीटर पर नाकाम पाई गई है। रीवा से चलकर आरकेएमपी आने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ऑक्यूपेंसी के पैरामीटर्स पर खरी नहीं उतरी। यह खुलासा आरकेएमपी, निजामुद्दीन, इंदौर, रीवा और नागपुर के लिए चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस की स्टेटस पड़ताल में हुआ है।

अब बीना-इटारसी के लिए चौथी लाइन का सर्वे शुरू

मौजूदा रेल लाइनों पर काम होगा दबाव

भोपाल। रेल यातायात को सुगम, तेज और प्रभावी बनाने की दिशा में भोपाल मंडल के अंतर्गत इटारसी-भोपाल-बीना खंड पर चौथी रेल लाइन परियोजना की शुरुआत कर दी गई है। इस परियोजना के पूरा होने से न केवल माल और यात्री परिवहन की क्षमता में इजाफा होगा, बल्कि क्षेत्रीय विकास और रोजगार सृजन को भी नया आयाम मिलेगा। अभी इस खंड पर पहले से मौजूद तीन रेल लाइनों पर भारी यातायात का दबाव है, जिससे ट्रेनों की गति और समयबद्धता पर असर पड़ता है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि चौथी लाइन के निर्माण से यह दबाव कम होगा और मालगाड़ियों के निर्बाध संचालन के साथ-साथ यात्री ट्रेनों को भी समय पर और बेहतर ढंग से चलाया जा सकेगा।

जानकारी के मुताबिक परियोजना के तहत इटारसी से भोपाल और फिर भोपाल से बीना तक सर्वेक्षण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। सर्वे के पूर्ण होते ही नियमानुसार आवश्यक भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आरंभ की जाएगी। इसमें स्थानीय प्रशासन के सहयोग से भूमि स्वामियों को उचित मुआवजा दिए जाने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। यह चौथी रेल लाइन मप्र के नर्मदापुरम, रायसेन, सीहोर, भोपाल, विदिशा और सागर जैसे जिलों से होकर गुजरेगी। इन जिलों में रेलवे नेटवर्क के विस्तार से आवागमन की सुविधा बढ़ेगी और औद्योगिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। परियोजना से इन क्षेत्रों में आवागमन के समय में कमी आएगी और साथ ही माल परिवहन की लागत और समय में भी कमी आएगी। निर्माण, रखरखाव और संचालन से जुड़े कार्यों में स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही, इस परियोजना के तहत माल गोदाम, लॉजिस्टिक्स हब जैसे रेलवे से जुड़े अन्य ढांचागत विकास से आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा।

भोपाल नगर निगम कमिश्नर आदमपुर कचरा खंती देखने पहुंचे

कचरे का निपटान नहीं होने पर कंपनी को नोटिस, टर्मिनेशन-ब्लैक लिस्टेड के आदेश

भोपाल दोपहर मेट्रो

भोपाल की आदमपुर कचरा खंती में कचरे का निपटारा सही ढंग से नहीं होने पर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण ने संबंधित कंपनी 'सुसज्जा' के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई के आदेश दिए हैं। उन्होंने कंपनी के टर्मिनेशन व ब्लैक लिस्टेड के लिए नोटिस जारी करने को कहा।

कमिश्नर ने निरीक्षण के दौरान आरडीएफ का परिवहन व विक्रय जल्द करने को कहा। लीचेट की पर्याप्त निकासी व इनेट को देने की प्रक्रिया करने के निर्देश दिए। निर्देशित किया कि आदमपुर लैंड फिल साइट पर मेन पावर की पर्याप्त व्यवस्था करें और योजना बनाकर बेहतर कार्य करें।

सीएनजी प्लांट का भी निरीक्षण कमिश्नर नारायण ने निर्माणाधीन बॉयो सीएनजी प्लांट व एनटीपीसी के प्लांट का भी अवलोकन किया। बॉयो सीएनजी प्लांट के लिए पर्यावरण संबंधी सभी अनुमतियां विभिन्न विभागों से शीघ्रता से प्राप्त करने की कार्रवाई करने व प्लांट के सिविल संबंधी कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

कमिश्नर नारायण ने एनटीपीसी के

प्लांट का भी निरीक्षण किया और कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए सभी कार्यों की गति बढ़ाने के निर्देश दिए।

अवैध रूप से संचालित सर्विस सेंटर के विरुद्ध कार्रवाई निगम के स्वास्थ्य विभाग अमले ने जोन नंबर- 8 के अंतर्गत सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने एवं गंदगी फैलाने पर चूना भट्टी स्थित बीकानेर मिष्ठान भंडार पर 10 हजार रुपए, जोन नंबर-14 के अंतर्गत अवधपुरी क्षेत्र में बिना अनुमति के संचालित सर्विस सेंटर द्वारा वाहनों की धुलाई कर आइल युक्त गंदा पानी सड़कों पर बहाने वाले सर्विस सेंटर संचालक पर 5 हजार रुपए का जुर्माना किया गया। साथ ही सर्विस सेंटर बंद भी कराया। इसके अलावा निगम अमले ने सभी जोन क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 347 प्रकरण में 80 हजार 700 रुपए की राशि

कोहेफिजा, पॉलीटेक्निक से लेकर 1,2,3 लिंक रोड तक हालत खराब

भोपाल। शहर में दो दिन की बारिश के बाद मौसम खुलते ही सड़कों पर पड़ी खुली बजरी और मिट्टी अब लोगों की नई परेशानी बन गई है। धूप निकलते ही इन सड़कों से उठती धूल लोगों की आंखों, गले और फेफड़ों तक असर डाल रही है। पुराने भोपाल से लेकर नए भोपाल यानी कोहेफिजा, पॉलीटेक्निक रोड से लेकर चेतक ब्रिज, लिंक रोड नंबर 1, 2 और 3, एमपी नगर और पुरानी जेल रोड में हालात बदतर हो गए हैं। इधर, शहर में शुक्रवार को पीएम 10 तेजी से बढ़ा है। सुबह कलेक्ट्रेट में एक्यूआई 111 दर्ज किया गया है। इतना ही नहीं, टीटी नगर और पर्यावरण परिसर में भी पीएम 10 की मात्रा बढ़ी हुई है।

सीसी या प्लास्टिक मिक्स सड़क है उपाय- बारिश के बाद सड़कों की दुर्दशा हर साल सामने आती है। एक्सपर्ट काउंसिल ऑफ कंसल्टिंग सिविल इंजीनियर्स के अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र बागरे ने कहा कि शहर में कांक्रीट सड़कें बननी चाहिए। पर्यावरणविद् इम्तियाज अली ने प्लास्टिक मिक्स सड़क को बेहतर बताया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के रीजनल डायरेक्टर बृजेश शर्मा ने बहुविभागीय वैकल्पिक योजना की बात कही।

हेल्थ- एलर्जी और ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियों का कारण

डॉ. विकास मिश्रा (पल्मोनोलॉजिस्ट, आरआईआरडी) के अनुसार बारिश के बाद सड़कों की सूखी बजरी से उड़ती धूल एलर्जी, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों में सूजन बढ़ा रही है। बुजुर्ग-बच्चे सतर्क रखें। आंखों में जलन, जकड़न, खांसी और थकान की शिकायतें बढ़ीं।

मेट्रो एंकर

वर्ष 2024-25 में मध्य प्रदेश में 18,000 से अधिक छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई

एमपी के छह सौ छात्रों को मिली अजीज प्रेमजी छात्र वृत्ति

भोपाल दोपहर मेट्रो

अज़ीम प्रेमजी छात्रवृत्ति, अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा वंचित पृष्ठभूमि की छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहायता प्रदान करने हेतु एक पहल है। इसे 2024-2025 में चुनिंदा भौगोलिक क्षेत्रों से शुरू किया गया था और इस वर्ष 18 राज्यों में इसका विस्तार करने का लक्ष्य है। अज़ीम प्रेमजी छात्रवृत्ति का उद्देश्य स्कूली शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली छात्राओ को सहायता प्रदान करना है एवं यह सुनिश्चित करना है की धन की कमी से कोई भी छात्रा अपनी पढ़ाई न छोड़े। अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा संचालित अज़ीम प्रेमजी छात्रवृत्ति के बारे में मुख्य बातें:

पात्रता: ऐसी छात्रायें जिन्होने सरकारी (पब्लिक) स्कूलों से कक्षा 10वी और 12वी की पढ़ाई की हो।

किसी प्रामाणिक उच्च शिक्षा संस्थान में डिग्री या डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश लिया हो। 'प्रामाणिक' एचईआई की सूची में सभी सरकारी (पब्लिक) एचईआई और चुनिंदा निजी एचईआई भी शामिल होंगे।

उपरोक्त पात्रता रखने वाली कोई भी छात्रा इस छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन कर सकती है

आवेदन पूर्णतः निःशुल्क है

छात्रवृत्ति: डिग्री या डिप्लोमा कार्यक्रम की अवधि के लिए प्रति वर्ष 30,000 रुपये, जब तक छात्रा सफलतापूर्वक कार्यक्रम में जारी रहती है।

उदाहरण के लिए, 4 वर्षीय बीएससी नर्सिंग प्रोग्राम करने वाली छात्राओं को उन 4 वर्षों में 1,20,000(एक लाख बीस हजार) रुपये की छात्रवृत्ति सहायता मिलेगी। यह धनराशि हर साल दो किश्तों में छात्राओ के बैंक खाते में सीधे ट्रांसफर की जाएगी। वह अपनी जरूरत के हिसाब से इस धनराशि का उपयोग कर सकती है।

अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन का अनुमान है कि वह शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में 2.5 लाख छात्राओ को अज़ीम प्रेमजी छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही होगी। यह कार्यक्रम इस साल से देश के 18 राज्यों में शुरू किया जाएगा। अज़ीम प्रेमजी छात्रवृत्ति पायलट के तौर पर शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और झारखंड के कुछ चुनिन्दा जिलों में लॉन्च किया गया था। इस पायलट कार्यक्रम में 25,000 से अधिक छात्राओ को यह छात्रवृत्ति दी गई है जिसमे मध्यप्रदेश की ही 18000 छात्राये शामिल है। छात्रवृत्ति के पहले वर्ष की धनराशी को इन छात्राओ के खातों में ट्रांसफर कर दिया गया है। वर्ष 2025-26 के लिए आवेदन प्रक्रिया सितंबर 2025 में शुरू होने की संभावना है।

अठारह राज्यों की सूची इस प्रकार है

अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड। कार्यक्रम का विवरण और कार्यक्रम के डिजाइन या कवरेज में कोई भी बदलाव आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत में अधिसूचित किया जाएगा। आने वाले वर्षों में ये संभावना है की छात्रवृत्ति कार्यक्रम में देश के सभी राज्यो को शामिल किया जाएगा।

भोपाल में 3 को अलबेला झूलन महोत्सव, विराजेंगे ठाकुर जी

भोपाल दोपहर मेट्रो

सावन की रिमझिम फुहारों के बीच भोपाल में इस बार भक्तिरस की बयार बहेगी। 'श्री श्याम अलबेला झूलन महोत्सव' का आयोजन 3 अगस्त को किया जाएगा। कार्यक्रम स्वागत गार्डन, हलालपुरा, लालघाटी स्थित परिसर में सुबह 11 बजे से आयोजित होगा।

श्री श्याम ताली संकीर्तन परिवार भोपाल के इस आयोजन में रास, राग और रंगों से सजे झूले पर ठाकुर जी को विराजमान कर भक्तजन प्रेम, समर्पण और भक्ति की डोर से उन्हें झुलाएंगे। भजन कलाकार नागपुर के गीतांश डालमिया और दिल्ली सोनम समता अपने भजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो देंगे।

श्याम रसोई और प्रसादी का भी आयोजन

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के लिए दोपहर 2 बजे से प्रभु भोग प्रसाद की 'श्याम रसोई' का भी आयोजन किया है। आयोजकों के अनुसार यह न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि एक भावात्मक मिलन है, जहां श्याम नाम

की मस्ती और भक्ति की गंगा बहेगी।

'श्याम सेवक म्यूजिकल ग्रुप' और 'रिंकू रिदम इवेंट्स' की विशेष प्रस्तुति भक्ति संगीत की प्रस्तुति के लिए 'श्याम सेवक म्यूजिकल ग्रुप' और 'रिंकू रिदम इवेंट्स' विशेष रूप से मंच पर रहेंगे। संगीत की हर धुन और शबद में ठाकुर श्री श्याम का भाव प्रतिध्वनित होगा। आयोजकों का कहना है कि यह महोत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि श्याम भक्ति में सराबोर होने का अवसर है। जहां श्याम हैं, वहां दूरी नहीं इस भाव के साथ हर भक्त इस आयोजन में सहभागी बनें।

तुलसी जयंती कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

हर शहर में तुलसी भवन, भोपाल में राम संग्रहालय के लिए 5 करोड़ रु.

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मानस भवन में तुलसी मानस प्रतिष्ठान के तत्वावधान में आयोजित तुलसी जयंती एवं अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु गोविंददेव गिरिजी महाराज को पदमभूषण युगतुलसी पंडित रामकिंकर उपाध्याय राष्ट्रीय सम्मान से अलंकृत किया। अलंकरण के रूप में गुरु गोविंददेव गिरि को अंगवस्त्र, सम्मान पट्टिका एवं दो लाख रुपए सम्मान राशि दी गई।

गोविंददेव महाराज प्रख्यात चिंतक हैं और अयोध्य में श्री राम जन्मभूमि न्यास के न्यासी हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भोपाल में श्री राम संग्रहालय बनाने के लिए तुलसी मानस प्रतिष्ठान को 5 करोड रुपए की विकास राशि देने की घोषणा की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास का 528वां जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। तुलसीदास द्वारा रचित रामचरित मानस देश का पुरातन महाकाव्य है। आज हम सब जिन समृद्ध सांस्कृतिक और साहित्यिक परम्पराओं में पोषित और पल्लवित हो रहे हैं, उसकी नीव सदियों पहले गोस्वामी तुलसीदास ने रख दी थी। उन्होंने रामचरित मानस के जरिए देश को एक ऐसी काव्यधारा प्रदान की है, जो जन-जन को धर्म, नीति, जीवन मूल्य और मर्यादा का मार्ग दिखाती है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने विरासत से विकास की संस्कृति को अपनाया है। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के चरित्र में पूरी भारतीय संस्कृति समाई हुई है, इसलिए हम भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के बताए जीवन मार्ग पर चलने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में गीता भवन बनाने का निर्णय लिया है। सरकार प्रदेश में श्रीराम वनगमन पथ विकसित करने के अलावा मध्यप्रदेश में श्रीकृष्ण की लीला स्थलों को तीर्थ बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में पंडित रामकिंकर उपाध्याय की शिष्या एवं मानस पुत्री सुश्री मंदाकनी , तुलसी मानस प्रतिष्ठान के कार्याध्यक्ष रघुनंदन शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, समाजसेवी रविन्द्र यति, नगर निगम के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, प्रमुख सचिव संस्कृति शिवशेखर शुक्ला सहित बड़ी संख्या में तुलसी साहित्यप्रेमी एवं सुधिजन उपस्थित थे।

मप्र में रामराज्य स्थापित करने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामायण हमारा राष्ट्रग्रंथ है। प्रदेश सरकार रामराज्य स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं हुई हैं, उन्हें हम तीर्थ के रूप में विकसित कर रहे हैं। प्रदेश सरकार राम वन गमन पथ के साथ श्रीकृष्ण पाथेय पर भी कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विरासत का संरक्षण करते हुए हम राजधानी भोपाल में राजभोज और विक्रमादित्य द्वार के नाम से दो प्रवेश द्वारों का निर्माण करा रहे हैं।

पॉक्सो एक्ट पर क्षेत्रीय कार्यशाला 7 को, सीएम यादव होंगे शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो एक्ट) पर एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। प्रतिभागियों के उन्मुखीकरण और प्रशिक्षण के लिए कार्यशाला 07 अगस्त 2025 को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिन्टो हॉल), भोपाल में प्रातः 9बजे से आयोजित होगी। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य बाल अधिकारों के संरक्षण और पॉक्सो एक्ट के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता और प्रशिक्षण प्रदान करना है।

आमजन के लिए निःशुल्क चिकित्सा परामर्श की सुविधा

आयुष मंत्री ने वैद्य आपके द्वार योजना ई-संजीवनी पोर्टल का किया शुभारंभ

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने आयुष विभाग की ÷वैद्य आपके द्वार योजना÷ अंतर्गत ई-संजीवनी पोर्टल (स्वस्थ भारत) का प्रदेश स्तरीय वर्चुअल शुभारम्भ किया। भारत सरकार के निर्देशानुसार यह सुविधा पूरे देश में एक साथ ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से संचालित हैं और अब सुविधा मध्यप्रदेश में भी प्रारंभ की गई है। आयुष मंत्री श्री परमार ने ई-संजीवनी पोर्टल के शुभारम्भ अवसर पर पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध डॉक्टर से बात कर स्वास्थ्य परामर्श भी प्राप्त किया। उन्होंने आयुष विभाग को शुभकामनाएं एवं बधाई दीं। श्री परमार ने कहा कि आमजन वैद्य आपके द्वार योजना अंतर्गत ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से निःशुल्क आयुष चिकित्सा परामर्श लेकर स्वास्थ्य लाभ ले सकते हैं। ज्ञातव्य है कि ÷वैद्य आपके द्वार योजना÷ अंतर्गत बेहतर जनस्वास्थ्य के लिए टेलीमेडिसिन ऐप द्वारा मोबाइल पर घर बैठे आयुर्वेद, होम्यापैथी और यूनानी चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। यह आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़ा है और बहुभाषी सहायता प्रदान करता है।

संकट की घड़ी में साथ खड़ी है सरकार, मिलेगी हर संभव मदद

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री एवं गुना जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने शुक्रवार को प्रभार के जिले गुना के ग्राम फतेहगढ़ में अतिवर्षा एवं बाढ़ से प्रभावित लोगों से भेंट कर हालचाल जाना और भरोसा दिलाया कि प्रशासन द्वारा हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर सभी प्रकार की क्षति का शत-प्रतिशत सर्वे कराकर मुआवजा राशि दिलाई जाएगी। खाद्य मंत्री ने शासकीय बालक आदिवासी आश्रम, फतेहगढ़ में स्थानीय जनों से चर्चा करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया स्वयं स्थिति की सतत निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के आवास, फसल, घरेलू सामग्री और अन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, उसका सर्वे कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। सर्वे उपरांत प्रत्येक प्रभावित परिवार को 50-50 किलो गेहूं उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही खराब हुई सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराई जाएगी। राजपूत ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से बिजली, पानी और राशन वितरण की स्थिति की जानकारी ली तथा सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण कर मुआवजा वितरण के निर्देश भी दिए।

जीना वही जानता है जो मरना जानता है। - यशपाल

संपादकीय

अब कितने साल और...

महाराष्ट्र के सत्रह साल पुराने मालेगांव बम विस्फोट केस का फैसला हर जगह चर्चा में है। दरअसल यह हालिया वक्त का वह दूसरा संवेदनशील मुकदमा है, जिसमें अदालत में जांच एजेंसियों की कमियां पकड़ी गईं, हाल में 21 जुलाई को भी बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम ब्लास्ट के आरोपियों को बरी किया था। अब स्पेशल एनआई कोर्ट ने मालेगांव केस के सभी 7 अभियुक्तों को बरी कर दिया। महाराष्ट्र के मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को हुए धमाकों में 6 लोगों की मौत हुई थी और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। पहले इस मामले की जांच महाराष्ट्र एटीएस ने की, उसके बाद एनआईए ने जांच थामी। लेकिन 17 साल बाद अदालत में पूरी जांच प्रक्रिया ही खामियों से भरी निकली। जिन सबूतों के आधार पर पूरा मुकदमा खड़ा किया गया था, वे कोर्ट रूम में टिके ही नहीं। अभियोजन पक्ष के पास आरोपों को साबित करने के लिए ठोस और विश्वसनीय सबूत नहीं थे। अभियोजन पक्ष न तो यह साबित कर सका कि जिस बाइक में विस्फोटक था, वह साध्वी प्रज्ञा सिंह की थी और न यह कि लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित ने अपने घर पर आरडीएक्स रखा और बम बनाया। अदालती फैसले को देखने के बाद कईयों को लगता है कि जांच के हर स्तर पर लापरवाही बरती गई। यह कोई छोटी चूक नहीं है कि वारदात स्थल की ठीक से बैरिकेडिंग नहीं की गई थी, जिससे क्राइम सीन को नुकसान पहुंचा। इसकी भी जवाबदेही होनी चाहिए कि कैसे घायलों की संख्या को लेकर गफलत हुई और कुछ मेडिकल सर्टिफिकेट में किसके इशारे पर हेरफेर किया गया। इस मुकदमे में इतनी कमियां निकली हैं, जिसके बाद सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हमारी जांच एजेंसियां ऐसे गंभीर मामलों को ठीक से हैंडल कर सकती हैं? अगर बरसों लंबे इंतजार के बाद भी नतीजा इतनी कमियों के रूप में सामने आए, तो भरोसे पर चोट लगेगी ही। तो क्या अब नए सिरे से जांच करना और कमियों को दुरुस्त करना संभव हो पाएगा? हालांकि यह केस राजनीतिक विवादों में भी रहा है। अदालती फैसले के बाद भी इस पर सियासत भी हो रही है। यही नहीं बल्कि कुछ खुलासे भी हो रहे है। वहीं, इस केस में कोर्ट की यह टिप्पणी अहम है कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। वैसे, बहस तो यह होनी चाहिए कि कैसे उन लोगों को इंसाफ मिले, जिन्होंने उस धमाके में किसी अपने को खोया है। ऐसे लोगों का यह भी मत सामने आया है कि वे उच्च अदालत में इसे लेकर जाएंगे। यह सही है कि जिन्हें दोषी नहीं पाया गया वे इस आरोप से बरी कर दिये गये लेकिन वास्तव में दोषी कौन है, जिनकी वजह से लोग मारे गये और दर्जनों घायल हो गये, ऐसे चेहरों का सामने नहीं आना भी अजब है। जबकि पीडितों के परिवार के जख्म आज भी रिस रहे हैं। यदि मालेगांव विस्फोट के असली गुनहगारों की तलाश की जाए तो फिर जांच एजेंसी को दोषियों की तलाश में कितने साल और लगेंगे, तथा क्या यह इतने सालों के बाद संभव भी होगा? लिहाजा समय यह सोचने का भी है कि जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली व उनकी ट्रेनिंग कैसी हो, किसी भी संस्था या जांच एजेंसी पर सवाल उठना अब नया नहीं रहा।

आज का कार्टून

(साभार : माधव जोशी)

भारत के साथ दोहरा मापदंड क्यों अपना रहे हैं ट्रंप, टैरिफ वार से क्या बिगड़ेंगे रिश्ते?

■ डा समीर शेखर

अमेरिका में 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान के सहारे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोबारा सत्ता में आने के साथ ही पुरानी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति का फिर से अनुसरण करते हुए वैश्विक व्यापार विमर्श में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत दिया था. इस क्रम में एकतरफा निर्णय, उच्च शुल्क और आर्थिक राष्ट्रवाद सिद्धांत को अपनाते हुए ट्रंप ने भारत की ओर से अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात पर 25 फीसदी का व्यापक टैरिफ लगाने की घोषणा की. यह भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ है. अपने पहले कार्यकाल (2017-2021) के दौरान आक्रामक संरक्षणवादी रुख के लिए जाने जाने वाले ट्रंप ने एक बार फिर टैरिफ कूटनीति को अमेरिकी विदेश और आर्थिक नीति के केंद्र में ला दिया है. एक अगस्त, 2025 को भारत सहित कई देशों पर टैरिफ और जुर्माने की एक नई लहर का प्रस्ताव रखने वाली घोषणा ने व्यापार युद्धों, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और बहुपक्षवाद की कमजोरी जैसे प्रमुख मुद्दे आधारित वैश्विक चिंताओं को फिर से हवा दे दी है।

डोनाल्ड ट्रंप का भारत की अर्थव्यवस्था को 'डेड इकॉनमी' कहना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के आंकड़ों के खिलाफ भी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक के अनुसार, भारत 2025 में 6.8 फीसदी की दर से बढ़ रही दुनिया की सबसे तेजी से विकसित होती बड़ी अर्थव्यवस्था है. भारत की जीडीपी 4.2 ट्रिलियन डॉलर को पार कर चुकी है, जबकि तकनीक, विनिर्माण और डिजिटल अर्थव्यवस्था में उसका प्रदर्शन सराहनीय है. वहीं अमेरिका, मंदी की आहट, उच्च ब्याज दरों और चीन के साथ व्यापार युद्ध की पुनरावृत्ति के बीच फंसा हुआ है. ट्रंप की आर्थिक नीतियों के कारण अमेरिका में महंगाई और वैश्विक निवेश की अनिश्चितता बढ़ी है. यही कारण है कि वो हाल ही में नए निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से खाड़ी देशों की यात्रा पर गए थे. भारत जहां आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी की नीति पर काम कर रहा है, वहीं अमेरिका संरक्षणवाद, आर्थिक राष्ट्रवाद के रुख को अपनाए हुए है.भारत और रूस को डेड इकॉनमी कहना महज राजनीति और भारत-रूस के संबंधों के प्रति रोष से प्रेरित है न कि आर्थिक तथ्यों पर आधारित। ट्रंप की टैरिफ रणनीति का विकास उनके पहले कार्यकाल से ही उनके संरक्षणवादी नीति का हिस्सा रहा है. उस दौरान उन्होंने कट्टर और एकतरफा उलटफेर करने वाले आर्थिक निर्णय लिए जिसने भारत समेत दुनिया की कई महत्वपूर्ण अर्थव्यवस्थाओं के साथ व्यापारिक समीकरण को नए सिरे से परिभाषित किया. ट्रंप प्रशासन ने 2017 में जहां एक तरफ ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप से खुद को अलग कर लिया, वहीं ह्रस्न्ञ्ज को नए नियमों व शर्तों के साथ एक आधुनिक संस्करण 'संयुक्त राज्य अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते' के रूप में प्रतिस्थापित किया था.यह उनके प्रशासन की आर्थिक और राजनीतिक प्राथमिकताओं के साथ अधिक संरेखित है. ट्रंप का मानना था कि NAFTA अमेरिकी श्रमिकों और उद्योग के लिए अनुचित था. इसके अलावा ट्रंप के संरक्षणवादी नीति और अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत कई देशों पर स्टील (25 फीसदी) और एल्युमीनियम (10 फीसदी) पर टैरिफ लगान, चीन के साथ व्यापार युद्ध (360 अरब डॉलर से ज़्यादा मूल्य के चीनी सामान पर टैरिफ लगाने) से लेकर 2019 में भारत की सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली (GSP) को समाप्त करना भी शामिल था. इससे 5.6 अरब डॉलर का भारतीय निर्यात प्रभावित हुआ था। एक तरफ यह प्रतीत होता है कि भारत के प्रति ट्रंप के इस निर्णय का प्रमुख कारण रूस के साथ भारत की स्थायी रक्षा और ऊर्जा साझेदारी है, जिस पर अमेरिका लंबे समय से नजर रख रहा है.

खासकर यूक्रेन और अन्य क्षेत्रों में मास्को की कार्रवाइयों के बाद रूस को अलग-थलग करने के पश्चिमी देशों के निरंतर प्रयासों के बीच भारत का व्यापारिक संबंध के कारण व्यापारिक तनाव और उसमें अंतर्निहित कूटनीतिक चिंता के रूप में देखा जा सकता है. हालांकि अमेरिका का यह रवैया उसके प्रति भारतीय व्यापार नीति को भी एक प्रमुख वजह के रूप में देखा जा सकता है. चूंकि अमेरिका द्वारा जुर्माने की नीति के तहत वैसी भारतीय कंपनियों के उत्पादों को जो रूसी रक्षा या ऊर्जा क्षेत्रों से वित्तीय रूप से जुड़े हैं, उन्हें बाजार पहुंच से वंचित होने, लाइसेंस में देरी, द्वितीयक शुल्क (25 फीसदी के व्यापक टैरिफ के अलावा अतिरिक्त 100 फीसदी तक के टैरिफ), निर्यात प्रतिबंध आदि जैसे परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है.

दोनों देशों के बीच व्यापारपरक रणनीतिक टकराव के अन्य कारणों में डेटा संग्रहण नीति, त्वस्क्से भारत का निष्कासन, बायोमेडिकल और पेटेंट नीति व भारत की ओर से अमेरिकी उत्पादों के निर्यात पर उच्च शुल्क दर शामिल हैं.भारत की नीति है कि उपभोक्ता डेटा भारत में ही स्टोर हो. अमेरिकी कंपनियां (जैसे अमेजन, गूगल, वालमार्ट) इस नियम का विरोध करती हैं, क्योंकि इससे उनकी संचालन लागत और नियंत्रण पर असर पड़ता है. अमेरिका ने 2019 में भारत को त्वस्क्से बाहर कर दिया था. इससे भारत को कई उत्पादों पर शून्य शुल्क का लाभ नहीं मिल रहा. भारत चाहता है कि पुनः स्पेशल ट्रेड स्टेटस (GSP) का दर्जा बहाल हो, लेकिन अमेरिका इसके लिए भारत में अधिक बाजार पहुंच की मांग कर रहा है. अमेरिका भारत की बायोमेडिकल और पेटेंट नीति पर भी आपत्ति जताता आया है. खासतौर पर जेनेरिक दवाइयों को लेकर अमेरिका भारत की मुनाफा-आधारित पेटेंट प्रणाली के बजाय जन-स्वास्थ्य आधारित प्रणाली को प्राथमिकता देने से नाखुश रहा है. दरअसल अमेरिका चाहता है कि भारत अमेरिकी आईटी उत्पादों, कृषि वस्तुओं और चिकित्सा उपकरणों पर टैरिफ (शुल्क) को कम करे, जबकि भारत घरेलू उद्योगों की रक्षा के लिए इन उत्पादों पर मौजूदा आयात शुल्क बनाए रखना चाहता है. ट्रंप ने भारत द्वारा कृषि उत्पादों पर 39 फीसदी और वनस्पति तेलों और सेब जैसी चुनिंदा वस्तुओं पर 45-50 फीसदी औसत टैरिफ स्तरों को अनुचित करार दिया था. अगर दोनों देशों के रवैये पर गौर करें तो यह मूल्यों और हितों का टकराव जैसा दिखाई देता है. ऐसे में आगे चलकर भारत को अंतरराष्ट्रीय दबाव और घरेलू जरूरतों के बीच संतुलन बनाना होगा।

हालांकि देखा जाए तो अमेरिका भारत के साथ दोहरे मापदंड अपना रहा है. तुर्की और मिस्र का रूस के साथ रक्षा संबंध और जर्मनी का रूसी गैस अवसंरचना के साथ जुड़े होने के बाद भी अमेरिका का रवैया उनके प्रति सहयोगात्मक है. ट्रंप की घोषणा एक लेन-देन संबंधी कूटनीति का संकेत देती है, जहां आपसी सम्मान के माध्यम से सहयोग को बढ़ावा देने के बजाय, व्यापार के लाभ का इस्तेमाल राजनीतिक गुटबाजी हासिल करने के लिए किया जा रहा है. भारत के विपरीत, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, जापान और आसियान के सदस्य देशों ने अंतरिम समझौते किए हैं. इनमें टैरिफ दरें 10 फीसदी (ब्रिटेन), 15 फीसदी (यूरोपीय संघ,जापान) या 19-20 फीसदी (वियतनाम, इंडोनेशिया) तक सीमित हैं. इसके विपरीत, भारत को सबसे अधिक दरों में से एक 25 फीसदी का सामना तो करना पड़ ही रहा है. इसके साथ में रूस से संबद्ध भारतीय उद्योगों के संदर्भ में 100 फीसदी तक के अतिरिक्त जुर्माने की भी घोषणा की गई है। वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका को भारत का निर्यात 110 अरब डॉलर को पार कर गया.इसमें आईटी सेवाएं, फार्मास्यूटिकल्स, परिधान, रत्न-आभूषण और ऑटो पार्ट्स जैसे क्षेत्रों का दबदबा रहा. इस टैरिफ नीति से लगभग सभी भारतीय निर्यात श्रेणियां प्रभावित होने की संभावना है. इनमें वस्त्र, रत्न-आभूषण (लगभग 10 अरब डॉलर का निर्यात), फार्मास्युटिकल्स और जेनेरिक दवाएं, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो कंपोनेंट्स, समुद्री खाद्य पदार्थ आदि शामिल हैं. वैसे भारतीय उत्पाद जो अमेरिकी बाजार पर अत्यधिक निर्भर हैं, उनके निर्यात लागत में वृद्धि होगी. इससे वियतनाम, इंडोनेशिया और चीन जैसे प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले अंतरराष्ट्रीय बाजार में हमारी प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो सकती है. ऐसे में अमेरिकी बाजार पर अत्यधिक निर्भरता वाले उद्योगों को यूरोप, आसियान, लैटिन अमेरिका जैसे बाजारों का रुख करना चाहिए जो भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूती देगी.

ट्रंप का विश्व-राजनीती से प्रेरित यह कदम रणनीतिक परिप्रेक्ष्य में किए गए सामूहिक प्रयासों को भी हानि पहुंचाएगा. उसकी घातक व्यापार नीति और भारत को 'डेड इकॉनमी' कहना दोनों देशों द्वारा क्वाड मंच के माध्यम से चीन के बढ़ते प्रभुत्व को नियंत्रित करने के लिए विकसित किए गए हिंद-प्रशांत रणनीति के मूलभूत उद्देश्यों और रणनीतिक सहयोग की भावना के विरुद्ध है. यह BECA और COMCASA जैसे रक्षा सौदों के साथ यह चीन को घेरने की क्वाड रणनीति को भी निश्चित रूप से कमजोर करेगा.

अमेरिकी टैरिफ से भारतीय व्यापार नीति में बदलाव तो तय है ही, इसके साथ ही विश्व व्यापार के मोर्चे पर भी तनाव बढ़ेगा. प्रमुख क्षेत्रों में भारतीय आपूर्तिकर्ताओं की लागत बढ़ेगी और जीडीपी के विकास दर में संभावित रूप से कमी आने की प्रबल संभावना है. टैरिफ व्यवस्था में संरचनात्मक अंतर, गहराते भू-राजनीतिक विवाद और रुके हुए सौदे भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों की नाजुक प्रकृति को उजागर करते हैं. भारतीय निर्यातकों के लिए, आगे का रास्ता बाजार विविधीकरण, नीतिगत लचीलेपन और एक निष्पक्ष द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर निर्भर करता है. यह कदम कूटनीतिक सफलता का संकेत देता है या नहीं, यह देखना अभी बाकी है.

टैरिफ सुधारों की आड़ में राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर लगाए गए व्यापार प्रतिबंध के ठीक एक दिन बाद पाकिस्तान के साथ व्यापारिक समझौते में विस्तार, भारत के भू-राजनीतिक संरेखण पर दबाव डालने के उद्देश्य से लिए गए निर्णय प्रतीत होते हैं. व्यापार विवादों को भारत के रूस से संबंधों से जोड़कर, अमेरिका एशिया में एक महत्वपूर्ण साझेदार को अलग-थलग करने का जोखिम उठा रहा है. अमेरिका को दंडात्मक कार्रवाई के बजाय, आपसी हितों पर आधारित रचनात्मक कूटनीति, रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति सम्मान और रक्षा विविधीकरण पर संवाद दोनों देशों के लिए बेहतर होगा. भारत की बात करें तो इस व्यापार निर्भरताओं को पुनर्निर्धारित करने, बहुपक्षीय मंचों पर नेतृत्व स्थापित करने और एक अधिक आत्मनिर्भर, लचीला आर्थिक मॉडल गढ़ने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए. इस विकसित होती व्यापारिक बिसात में भारत झुकता है, संतुलन बनाता है या संघर्ष करता है, यह देखना अभी बाकी है. लेकिन एक बात स्पष्ट है कि वैश्विक व्यापार के नियम एक बार फिर से लिखे जा रहे हैं. ऐसे में भारत को चतुराई से खेलने के लिए तैयार रहना होगा.

(साभार : लेखक भुबनेश्वर स्थित कलिंगा इंस्टिट्यूट में अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विपणन पढ़ाते हैं। यह उनके निजी विचार हैं)

राजनीतिक संतुलन साधने के लिए दोबारा जाति जनगणना !

■ प्रभाकर मणि तिवारी

कर्नाटक में दस साल पहले वर्ष 2015 में जाति जनगणना कराई गई थी। लेकिन इसमें लंबा समय लगा और उसके नतीजे सत्तारूढ़ पार्टी की उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहे थे। इसी वजह से लंबे समय बाद बीते साल इसकी रिपोर्ट सरकार को पेश की गई थी। लेकिन इस साल की शुरुआत में रिपोर्ट के कुछ हिस्से लीक होने के बाद राज्य में राजनीतिक और सामाजिक संतुलन गड़बड़ाने लगा था। पहले की रिपोर्ट पर परदा डालने और सत्ता संतुलन साधने के लिए सिद्धारमैया सरकार ने नए सिरे से जाति जनगणना का फैसला किया है।यह कवायद 22 सितंबर से सात अक्तूबर तक चलेगी। राज्य की सात करोड़ आबादी के लिए इस काम में 1.60 लाख सरकारी कर्मचारियों को लगाया जाएगा। इसकी रिपोर्ट नवंबर के पहले सप्ताह के दौरान आ जाएगी।

इससे पहले सिद्धारमैया के पहले कार्यकाल में वर्ष 2015 में हुई जनगणना रिपोर्ट पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष एच।के।कंथराज के नेतृत्व में तैयार की गई थी। लेकिन उसके बाद यह ठंढे बस्ते में पड़ी रही। सिद्धारमैया के दूसरी बार सत्ता में आने के बाद आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष के। जयप्रकाश हेगड़े की अध्यक्षता वाली एक समिति ने उस रिपोर्ट में संशोधन कर बीते साल अप्रैल में सरकार को सौंपा था। लेकिन वह रिपोर्ट शुरू से ही विवादों में घिर गई थी।मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की दलील है कि विभिन्न जातियों के साथ होने वाले भेदभाव और असमानता को दूर करना ही ताजा कवायद का प्रमुख मकसद है। राज्य का अगला बजट भी इसी जनगणना रिपोर्ट के आधार पर तैयार किया जाएगा। ने बैठक के बाद कहा कि जातियों के साथ होने वाले भेदभाव को दूर करना सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सर्वेक्षण पूरे देश के लिए एक उदाहरण होना चाहिए। अगला बजट इसी सर्वेक्षण के आधार पर बनेगा। लेकिन परदे के पीछे की हकीकत कुछ और है। आमतौर पर माना जाता है कि राज्य में लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय की आबादी ज्यादा है और राजनीति में भी यह दोनों निर्णायक स्थिति में हैं। लेकिन पहली रिपोर्ट में इन समुदायों की आबादी कम बताई गई थी। इसलिए इन समुदायों के विधायकों मने रिपोर्ट के खिलाफ बगावत कर दी थी। इन दोनों के अलावा ब्राह्मण समुदाय में इस रिपोर्ट से काफी नाराजगी थी।

इसके लिए पहले राजनीतिक समीकरणों और इसमें दोनों तबकों यानी लिंगायत और वोक्कालिगा की भागीदारी को समझना जरूरी है। राज्य की 224 सदस्यीय विधानसभा में लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय से इस समय 99 विधायक हैं। इनमें सत्तारुढ़ पार्टी यानी कांग्रेस के क्रमशः 34 (लिंगायत) और 23 (वोक्कालिगा) यानी 58 विधायक हैं। विधानसभा में कांग्रेस के कुल 138 विधायक हैं। ऐसे में इन विधायकों उनकी नाराजगी सरकार के लिए भारी पड़ सकती है। पिछली रिपोर्ट में वोक्कालिगा समुदाय राज्य में चौथे नंबर पर आ गया था। मौजूदा उपमुख्यमंत्री डी।के।शिवकुमार, जिनको मुख्यमंत्री पद का दावेदार माना जाता है, इसी समुदाय के हैं।

उस रिपोर्ट में कर्नाटक की कुल आबादी में 70 फीसदी अन्य पिछड़ी जातियों के शामिल होने के कारण उनके लिए 51 फीसदी आरक्षण की सिफारिश की गई थी। इसके अलावा वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों की आबादी 10 से 11 फीसदी के बीच बताया गया था। इससे दोनों तबकों में नाराजगी भड़क उठी थी। उन्होंने नए सिरे से सर्वेक्षण या जनगणना कराने की मांग उठाई।कई नेताओं की दलील थी कि यह आंकड़े 2015 के हैं और जमीनी हकीकत से मेल नहीं खाते। रिपोर्ट से नाराज लिंगायत, वोक्कालिगा और ब्राह्मण समुदाय के नेताओं का आरोप था कि उनकी कई उपजातियों को इस जनगणना में शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा खासकर शहरों में जनगणना करने वाले घर-घर नहीं पहुंच सके हैं।

इन समुदायों की नाराजगी के कारण सत्ता संतुलन गड़बड़ाने की वजह से राज्य मंत्रिमंडल ने बीती जून में पिछली रिपोर्ट को खारिज करते हुए नए सिरे से जाति जनगणना कराने का फैसला किया था। उसके बाद मुख्यमंत्री ने कहा था कि कई मंत्रियों और समुदायों ने पिछली जनगणना पर आशंकाएं जताई हैं। इसलिए नए सिरे से जनगणना का फैसला किया गया है।अब विपक्षी भाजपा ने सरकार पर इस जनगणना के जरिए राज्य के विभिन्न समुदायों के बीच मतभेद पैदा करने का आरोप लगाया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बी।वाई। विजयेंद्र ने ताजा सिरे से जनगणना के फैसले पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि सरकार चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ से ध्यान बंटाने के लिए ही ऐसा कर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सिद्धारमैया के अपने पहले कार्यकाल में जातिगत जनगणना का सरकार का दांव उल्टा पड़ा था। यही वजह थी कि वह रिपोर्ट लंबे समय तक फाइलों में ही दबी रही। दूसरे कार्यकाल में बीते साल अप्रैल में सरकार को रिपोर्ट सौंपे जाने के बावजूद उसे इस साल मंत्रिमंडल के सामने रखा गया। उसके बाद ही विभिन्न समुदायों की नाराजगी सामने आने लगी। इससे सत्ता का संतुलन डगमगाने लगा। उसके बाद कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक में नए सिरे से यह कवायद शुरू करने का फैसला किया गया है। विश्लेषकों का मुताबिक, ताजा जनगणना का मकसद दोनों ताकतवर समुदायों की नाराजगी दूर कर राजनीतिक संतुलन साधना है। इससे मुख्यमंत्री की कुर्सी की दौड़ में शामिल उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार की नाराजगी भी कुछ हद तक दूर की जा सकती है। लेकिन इसकी वजह से पिछली जनगणना पर खर्च हुए करीब 165 करोड़ रुपए पानी में बह गए हैं।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1790 - अमेरिका में पहली बार जनगणना हुई।
- 1831 - नीदरलैंड की सेना ने दस दिनों के अभियान के बाद बेल्जियम पर कब्जा किया।
- 1858 - भारत सरकार अधिनियम 1858 पारित हुआ, जिसके तहत ईस्ट इंडिया कंपनी से ब्रिटिश राजशाही को भारत का शासन सौंप दिया।
- 1876 - पिंगली वेंकैया का जन्म हुआ, जो भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइनर थे।
- 1922 - चीन में समुद्री तूफान से 60,000 से अधिक लोग मारे गए।
- 1933 - एडॉल्फ हिटलर जर्मनी के राष्ट्रपति और चांसलर बने।
- 1955 - सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया।
- 1980 - इटली के बोनोग्ना रेलवे स्टेशन पर बम धमाका हुआ, जिसमें 85 लोगों की मौत हो गई।
- 1987 - विश्वनाथन आनंद ने विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप जीती।
- 1990 - इराक ने कुवैत पर हमला किया, जिसके कारण खाड़ी युद्ध शुरू हो गया।

शहर की सड़कों के ब्लैक स्पॉट का कलेक्टर-एसपी ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम. कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरकरण सिंह ने शहर के विभिन्न स्थलों परसड़कों के ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण किया। सड़कों के ब्लैक स्पॉट में सुधार कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने कुंज गार्डन के पास स्थित ब्लैक स्पॉट, एसपीएम रेलवे क्रॉसिंग बुधनी रोड के ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण किया एवं लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक यंत्री अनुराग सिंह को निर्देश दिए कि तत्परता से सड़कों के इन ब्लैक स्पॉट को सुधार कर ठीक करें ताकि किसी भी प्रकार की सड़क दुर्घटना से बचा जा सके। कलेक्टर ने जिला परिवहन अधिकारी को निर्देश दिये कि वह शहर में स्थित और भी ब्लैक स्पॉट को प्राथमिकता से चिन्हित करें।

सभी पर्व उल्लास, आपसी सद्भाव एवं शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं

नर्मदापुरम. आगामी त्योहारों, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में कानून व्यवस्था चाक चौबंद रखने के संबंध में कलेक्ट्रेट कार्यालय के रेवा सभाकक्ष में कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शांति समिति के सदस्यों द्वारा आगामी पर्वों पर आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई एवं सुझाव दिए गए। शांति समिति की बैठक के दौरान कलेक्टर सोनिया मीना ने कहा कि आगामी त्योहारों के दौरान पर्यावरण, स्वच्छता, एवं सुरक्षा की दृष्टि से नगर के प्रमुख नर्मदा घाटों पर मूर्ति विसर्जन पूर्णता: प्रतिबंधित रहेगा। नगर पालिका द्वारा तैयार किए गए विसर्जन कुंड में ही मूर्ति विसर्जन किया जाए। उन्होंने नगर पालिका सीएमओ को निर्देश दिए की नगर पालिका परिषद द्वारा एक अन्यत्र विसर्जन कुंड तैयार किए जाने के लिए स्थान चयनित किया जाए। कलेक्टर ने बैठक के दौरान कहा कि पूर्व की तरह जिले में आगामी पर्व भी शांतिपूर्ण एवं आपसी सद्भाव के साथ मनाया जाए। आपसी सौहार्द एवं भाईचारा ही नर्मदापुरम जिले की परंपरा है।

कदंब के पौधरोपण को लेकर की चर्चा, करेंगे ध्वज का विमोचन

रायसेन। शहर में जिला विकास समिति एवं बस एक कदम और सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में कदंब पौधरोपण पार्ट 5 का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनिल शर्मा प्रदेश सदस्य दिशा समिति एवं मुकेश सिंह एसडीएम रायसेन विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। पौधरोपण कल रविवार सुबह 10:30 पर जल संसाधन विभाग के सामने से प्रारंभ होगा। इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा सोशल वेलफेयर फाउंडेशन की ध्वज का विमोचन भी किया जाएगा।

वर्ल्ड टाइगर डे पर ड्रॉइंग बनाकर दिया बाघों को बचाने का संदेश

इटारसी। वर्ल्ड टाइगर डे के अवसर पर लायंस क्लब समर्पण द्वारा जीनियस प्लेनेट स्कूल में कक्षा छठवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए सेव टाइगर ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 82 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिन्होंने प्रभावी ड्राइंग बनाईं जो संदेश दे रही कि टाइगर को हमें बचाना है, जंगल को सुरक्षित रखना है, जिससे टाइगर भी सुरक्षित रहेंगे। उक्त सभी ड्राइंग्स प्रभावशाली थीं, इसलिए इनमें से प्रथम, द्वितीय, तृतीय निकालना अति कठिन कार्य था। प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तथा तृतीय प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। साथ ही तीन प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में ट्रॉफी दी गई तथा सभी प्रतिभागियों को इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर लायंस समर्पण के अध्यक्ष मनोज गुप्ता, वरिष्ठ सदस्य मनोज गालर, नवल चौहान, पूर्व सचिव निहारिका मालवीय, जाफर सिद्दीकी तथा खालिक शाह उपस्थित रहे और विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

जीजा को पहले पिलाई शराब फिर साले ने मार दी पैर में गोली

रीवा। जिले में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। सेमरिया थाना क्षेत्र में 36 साल के एक व्यक्ति की जान पर बन आई। आरोप है कि उसके साले ने उसे पैर में गोली मार दी। गोली मारने की वजह जब पुलिस को पता चली तो वह भी दंग रह गई। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उसका साला उस पर घर जमाई बनने का दबाव डाल रहा था। इसी बात पर विवाद हुआ और यह घटना घटी। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने सबूत मिटाने के लिए एक कार को भी जला दिया। इससे पहले युवक के साले ने एक प्लान बनाकर उसे शराब पीने बुलाया था। पीड़ित, शमीम खान रीवा का रहने वाला है। उसने पुलिस को बताया कि उसके ससुराल वालों ने उसे पार्टी के बहाने एक पहाड़ी इलाके में बुलाया था। वहां उसे शराब पिलाई गई और फिर पैर में गोली मार दी गई। उसने पुलिस को बताया कि गोली उसके सीने में लग सकती थी, लेकिन पैर में लगने से उसकी जान बच गई।

प्रभारी मंत्री ने माना- गुना में बाढ़ से तीन मौत, 4 हज़ार परिवार प्रभावित

प्रशासन कर रहा नुकसान का सर्वे, बाढ़ पीड़ितों को मुआवजा दिलाने का भरोसा

गुना। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में आई आई बाढ़ से हुए नुकसान को लेकर प्रशासन का सर्वे शुरू हो गया है। इसी बीच मोहन यादव की सरकार में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत गुना पहुंचे। जहां उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि गुना और आसपास के गांव फतेहगढ़ बमोरी में जो अतिवृष्टि आई थी, उससे काफी नुकसान हुआ है। गुना शहर में ही 4000 परिवार इस बाढ से प्रभावित हुए हैं।

वहीं तीन लोगों की मौत हुई है। किसानों की भी फसलों का काफी नुकसान हुआ है। जिसका सर्वे प्रशासन कर रहा है। वही बाढ़ पीड़ितों को मुआवजा दिया जाएगा। इस बाढ़ के दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री लगातार संपर्क बनाए हुए थे। यही नहीं लोगों को बचाने के लिए सेना को भी भेजा गया और हेलीकॉप्टर भी भेजे गया। प्रशासन की तैयारी पूरी थी, और भी यदि ऐसी स्थिति बनती तो प्रशासन पूरी तरह से तैयार था। उनहोंने भरोसा दिलाया कि लोगों को उचित मुआवजा दिया जाएगा इसके साथ ही पीड़ितों की हर संभव मदद की जाएगी। मृतकों के परिजनों को भी सरकार राशि उपलब्ध कराएगी।

सिंधिया पर कसा तंज

जीतू पटवारी ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर तंज कसते हुए कहा कि वह कहते हैं कि विकास के लिए सड़कों पर उतरेंगे। उनसे भी आग्रह है कि वह भी लोगों की पीड़ा सुनें। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो जैसे 2019 के चुनाव में जनता ने उन्हें जवाब दिया था, उसी तरह 2029 में भी जनता उन्हें जवाब दे सकती है। पटवारी ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस इस मुद्दे को राजनीतिक रंग नहीं देना चाहती, लेकिन जहां लोगों को परेशानी होगी, कांग्रेस उनके साथ खड़ी नजर आएगी।

जयवर्धन सिंह ने भी साधा निशाना

इस दौरान पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने कहा कि लोगों में भारी आक्रोश है, लेकिन उनकी पीड़ा सुनने के लिए न तो सांसद आए और न ही विधायक। उन्होंने कहा कि गुना, राघौगढ़ और बमोरी में फसलें खराब हो गई हैं, और किसानों को पिछले 5 साल से फसल बीमा का लाभ भी नहीं मिला है।

पीड़ितों के बीच पहुंचे पटवारी ने कहा - गुना में होगा इतिहास का सबसे बड़ा चक्काजाम

जिले में आई भीषण बाढ़ और तबाही के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह, बमौरी विधायक ऋषि अग्रवाल और कांग्रेस जिला अध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़ के साथ गुना शहर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने न्यू सिटी कॉलोनी सहित अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया और पीड़ितों से मुलाकात की। पटवारी ने न्यू सिटी कॉलोनी में लोगों की पीड़ा सुनते हुए पार्टी जिला अध्यक्ष को निर्देश दिए कि प्रभावित लोगों का सर्वे कराया जाए और कलेक्ट्रेट का घेराव कर आंदोलन किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इसके बाद भी 8 दिनों के भीतर प्रशासन पीड़ितों को मुआवजा नहीं देता है, तो वह खुद गुना आकर इतिहास का सबसे बड़ा चक्काजाम और आंदोलन करेंगे जिसकी जिम्मेदारी भाजपा की मोहन सरकार और गुना जिला प्रशासन होगी। जीतू पटवारी ने जिला प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा है कि यह प्राकृतिक आपदा के साथ-साथ सरकारी अत्याचार भी है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि गोपालपुरा बांध से पानी छोड़ने से पहले आम लोगों को सतर्क करना चाहिए था और नगरपालिका को इसकी घोषणा करवानी चाहिए थी।

हाइवे पर बाइक सवार से लूट करने वाला पकड़ा

आरोपी से नगदी व मोबाइल सहित घटना में इस्तेमाल मोटर साइकिल की जब्त

गुना। दोपहर मेट्रो

एसपी अंकित सोनी के निर्देश पर गुना पुलिस जिले में अपराधों पर तत्परता से कार्यवाही कर खुलासे कर रही है। इसी क्रम में केंट थाना प्रभारी अनूप कुमार भार्गव और उनकी टीम ने हाईवे पर बाइक सबार युवक से लूट करने वाले अज्ञात आरोपी को चंद घंटों में ही गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें कि फरियादी राकेश कुशवाह निवासी ग्राम गोरम थाना भारौली जिला भिण्ड के द्वारा केंट थाना पुलिस को रिपोर्ट करते हुए बताया कि वह मोटर सायकिल से इंदौर से भिण्ड जा रहा था कि रास्ते में दोपहर करीब दो बजे गुना बायपास पर उसे बिना नंबर की ग्रे कलर की एचएफ डीलक्स मोटर सायकिल सवार एक

लड़के ने हाथ देकर रूकने का बोला तो उसने अपनी मोटर सायकिल रोक ली, इतने में उस लड़के ने एक पत्थर उठाया और सिर पर मारने का डर दिखाकर उसकी जेब से 3 हजार रूपये नगदी और मोबाइल निकाल कर भाग गया। इस घटना की रिपोर्ट पर केंट थाने में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध कायम कर पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश की कार्यवाही शुरू की गई और तत्काल घटना स्थल निरीक्षण कर आसपास लगे सीसीटीव्ही खंगाले गये। साथ ही मुखबिर तंत्र सक्रिय कर आरोपी की पहचान के प्रयास किये गये, जिससे कुछ ही समय में अज्ञात आरोपी चिन्हित कर लिया गया और उसके संबंध में कार्यवाही कर संदेही आरोपी जितेन्द्र पुत्र घनश्याम ओझा उम्र 27 साल निवासी पुरानी छावनी गुना को धर दबोचा। जिससे लूट की इस घटना के संबंध में पूछने पर उसके द्वारा घटना करना स्वीकार किया गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी से घटना में लूटे गये नगदी 3 हजार रूपये व मोबाइल सहित घटना में उपयोग की गई मोटर सायकिल जप्त कर प्रकरण में आरोपी को गिरफ्तार किया है। केंट थाना पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी अनूप कुमार भार्गव, उपनिरीक्षक बुन्देल सिंह सुनेरिया, सउनि ईश्वर टोप्पो, आरक्षक धर्मेन्द्र रघुवंशी, आरक्षक सूर्यभान जाट, आरक्षक राजू बघेल, आरक्षक गोविन्द रघुवंशी एवं आरक्षक शुभम रघुवंशी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बुधनी थाने में युवक ने पिस्टल के साथ बनाई रील, पुलिस एक्शन

सीहोर। रीलबाजों में पुलिस का खौफ नहीं है। पुलिस के सामने ही पिस्टल लेकर थाने में घुस रहे हैं और रील बना रहे हैं। सीहोर जिले के बुधनी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक शख्स थाने में पिस्टल के साथ घुसता है। साथ ही पुलिसकर्मियों के साथ रील बनाता है। पिस्टल लिए शख्स ग्राम रक्षा समिति का सदस्य है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस एक्शन मोड में है।

वहीं, आरोपी युवक को ग्राम रक्षा समिति की सदस्यता से हटा दिया गया है। मामले में बुधनी एसडीओपी रवि शर्मा ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि रेहटी थाना अंतर्गत ग्राम सोयत निवासी स्वरूप पिता सुमेरसिंह यादव रेहटी ग्राम रक्षा समिति का सदस्य है, जो अपने साथ लाइसेंसी हथियार लेकर थाना

परिसर में घूमते दिखाई दे रहा है। एसडीओपी शर्मा ने कहा कि पूर्व में आयोजित ग्राम तथा नगर सुरक्षा समितद्ध के अनुभाग स्तरीय सम्मेलन के दौरान परोक्ष रूप से बनाई वीडियो क्लिपिंग को जोड़कर बनाया गया था। जैसे ही ये मीडिया के माध्यम से संज्ञान में आया तो इस मामले में व्यक्ति द्वारा अशोभनीय आचरण करने पर तत्काल ग्राम रक्षा समिति से हटाया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल रील को डिलीट करवाया गया है।

स्कूलों में हादसे का डर, झालावाड़ की घटना के बाद छात्रों का स्कूल जाना बंद

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

सरकारी स्कूलों की स्थिति इतनी दयनीय है। इन स्कूलों में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। राजगढ़ जिले के शासकीय प्राथमिक विद्यालय धनिया खेड़ी की छत पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। लोगों का कहना है कि सरकार यहां भी राजस्थान के झालावाड़ जैसी घटना होने का इंतजार कर रही है। इस स्कूल में करीब 43 बच्चे पढ़ते हैं। स्कूल की बिल्डिंग की छत बारिश के कारण झूल गई है। इतना ही नहीं छत से लगातार गिट्टी और मैटेरियल गिर रहा है। गत दिवस भी सुबह 6 बजे बड़ी मात्रा में मलबा गिरा। गनीमत रही कि वहां पर कोई बच्चा मौजूद नहीं था। बताया जा रहा है कि पिछले साल भी छत से मलबा गिरा था, लेकिन प्रशासन ने छत की मरम्मत करवा कर पल्ला झाड़ लिया था। अब हालत यह है कि लगातार छत से पानी का रिसाव होने के कारण छत कमजोर हो गई जो कभी भी गिर सकती है। पानी टपकने से बचने के लिए शिक्षा विभाग ने छत को प्लास्टिक से ढक दिया है। छत से मलबा गिरने के कारण अब ग्रामीणों ने अपने बच्चों को स्कूल भेजना भी बंद कर दिया है। उन्हें डर है कि राजस्थान के झालावाड़ जैसा कांड यहां भी न हो जाए। बताया जा रहा है कि ब्यावरा के शासकीय प्राथमिक विद्यालय धनियाखेड़ी की छत पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। ऐसे छत को प्लास्टिक से ढक दिया गया है। जबकि नीचे से लगातार छत का मलबा गिर रहा है। जिससे बड़े हादसे का खतरा बना हुआ है।

पानी उतरा तो पुल पर दिखे गहरे जख्म

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

सिरोंज रोड स्थित गंज के पास बेतवा पुल क्षतिग्रस्त हो गया। विगत दिनों हुई लगातार तेज बारिश के चलते तीन दिन तक बेतवा नदी पुल के ऊपर बहती रही। सुबह पुल से जैसे जैसे पानी कम हुआ वैसे ही पुल स्थिति नजर आने लगी। यह पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। पुल से डामर पूरी तरह नदी में बहकर चला गया। कई जगह दरारें पड़ गई हैं और तेज बहाव के चलते गहरा गड्ढा हो गया है। हालांकि प्रशासन ने पुल पर मरम्मत कार्य शुरू करा दिया है लेकिन आवागमन नहीं हुआ है। यह पुल पहली बार क्षतिग्रस्त नहीं हुआ है। प्रतिवर्ष बारिश के दौरान जब बेतवा नदी पुल पर दो तीन दिन रहती है तब यही हालात बनते हैं।

प्रशासन द्वारा गंज स्थित बेतवा पुल के दोनों तरफ बेरिकेट्स लगाकर

आवागमन को पूर्ण तरीके से प्रतिबंधित कर दिया गया है। बेतवा नदी का पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद अब वाहन चालकों को बरीं घाट स्थित पुल से आवागमन करना पड़ रहा है जिसके चलते पुल के दोनों ओर राहगीरों की लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं। विगत दिनों से नदी उफान पर होने से पूर्ण तरीके से आवागमन पर प्रतिबंध लगा हुआ था। एसडीएम विजय राय ने क्षतिग्रस्त बेतवा नदी पुल का निरीक्षण सेतु निगम लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ किया तथा तीन दिवस में उक्त पुल की मरम्मत कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया। वही मरम्मत किए जाने तक उक्त पुल का उपयोग नहीं किए जाने हेतु आदेश जारी कर पुल के दोनों तरफ बैरिकेडिंग तथा पुलिस एवं चौकीदार की ड्यूटी लगाकर प्रतिबंध किया गया है।

मेट्रो एंकर नाराज किसानों ने किया चक्काजाम, पुलिस प्रशासन ने संभाला मोर्चा

खाद का भारी संकट, किसानों को फसल खराब होने का अंदेशा

सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

विकासखंड के अंतर्गत आने वाले दर्जनों गांव के किसान इन दिनों खाद नहीं मिलने के कारण परेशान हैं। वे कई दिनों से खाद के लिए सिवनी मालवा के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन उन्हें पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिल पा रहा है। वे अपनी खेती - किसानी का काम छोड़कर खाद के लिए टोकन लेने में लाइन में लगा हैं। इसके बाद खाद के लिए लाइन में लगना पड़ता है। यही वजह है कि तहसील क्षेत्र में खाद संकट गंभीर मुद्दा बनता जा रहा हैं।

इससे नाराज किसानों ने बायपास

के पास नर्मदापुरम-हरदा मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। यह चक्काजाम करीब एक घंटे तक चला। इससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। किसानों का आरोप है कि वे पिछले कई दिनों से खाद के लिए परेशान हो रहे हैं। लेकिन प्रशासन और सहकारी समिति द्वारा कोई संतोषजनक व्यवस्था नहीं की जा रही है। कई किसान सुबह से खाद केंद्रों पर लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ लौट रहे हैं। आक्रोशित किसानों ने प्रशासन के खिलाफ जम कर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि यदि जल्द उचित व्यवस्था नहीं की गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। किसानों ने बताया कि सभी किसानों ने धान और मक्का की फसल लगाई हुई है। इन फसलों में यूरिया की सख्त जरूरत है। अगर इन फसलों में खाद नहीं मिली तो उत्पादन में कमी आएगी और फसल पीली पड़ने लगेगी। किसानों का कहना है कि शासन की मंशा है कि किसानों की आय बढ़े। लेकिन अगर खाद, बीज और दवा किसानों को समय से नहीं मिलेगी तो आय दोगुनी कैसे होगी। चक्का जाम की जानकारी लगते ही एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान, थाना प्रभारी राजेश दुबे, शिवपुर थाना प्रभारी विवेक यादव और डोलरिया थाना प्रभारी खुमान सिंह पटेल पहुंचे। उन्होंने किसानों को समझाइश दी। इसके बाद किसानों ने चक्काजाम समाप्त किया।

दुर्गावती टाइगर रिजर्व से सागौन की तस्करी करते पकड़े गए तीन आरोपी

मानसून में सक्रिय हुआ जंगल माफिया, बाघों की मौजूदगी के बाद भी काट रहे सागौन के पेड़

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा। तीन जिलों की सीमा में फैले हुए 25 बाघों सहित अन्य जंगली जानवरों से आबाद वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में मानसून के दौरान हरे भरे जंगल पर वन माफियाओं की नजर लगी हुई हैं। यहाँ रात के अंधेरे में हरे भरे पेड़ों की कटाई के मौके तलाशे जा रहे हैं। गत दिवस टाइगर रिजर्व की सर्रा बीट आर एफ 264 में सागौन की तस्करी करते हुए तीन लोगों को वन विभाग की टीम ने पकड़ा कार्रवाई के दौरान एक आरोपी भागने में सफल हो गया जिसकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार रेंज में अवैध रूप से सागौन के परिवहन किए जाने की सूचना मुखबिर से मिली थी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम कार्रवाई के लिए रवाना हुई और साइकिल से सागौन की सिल्ली ले जाते हुए लोग नजर आए। वन विभाग के मैदानी अमले ने उनकी घेराबंदी की और तीन को धरदबोचा। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से चार सागौन की भारी-भरकम सिल्लियां और तीन साइकिल जब्त की गई हैं। पूछताछ मे आरोपियों ने अपना नाम लोचन पिता प्रेम रजक, बब्बू पिता सकई यादव और विनोद पिता दयाराम अहिरवार बताया है। सागौन जब्त कर वन विभाग कार्यालय लाई गई और आरोपियों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां से तीनों को जेल भेज दिया है।

चौकीदार ही करवा रहा था कटाई

पकड़े गए आरोपियों ने टाइगर रिजर्व के चौकीदार मोहन पटेल के कहने पर सागौन की कटाई के आरोप लगाए हैं। आरोपियों ने बताया कि चौकीदार मोहन पटेल के कहने पर टाइगर रिजर्व के अंदर सागौन की सिल्लियां उठाने व कटाई के लिए आए थे। वन विभाग की टीम ने चौकीदार को भी सागौन तस्करी में आरोपी बनाया है। भनक लगते ही अंधेरे का फायदा उठाकर चौकीदार भाग निकला जिसकी वन अमले द्वारा तलाश की जा रही है।

बाघों की मौजूदगी भी नहीं आ रही काम

टाइगर रिजर्व में इन दिनों बड़ी संख्या में शाकाहारी और मांसाहारी जानवर मौजूद हैं। साथ ही बाघ बाघिन व शावकों सहित कुल 25 बाघों का परिवार टाइगर रिजर्व में अपनी टेरिटरी बनाकर रहा है। उनके द्वारा शिकार की खबरें भी आती रहती हैं। आए दिन हाईवे पार करते हुई भी देखें जा चुके हैं लेकिन वन माफियाओं को इनका भी डर नहीं है। इनके मूवमेंट का जब नौरादेही अभ्यारण्य हुआ करता था उस समय बाघों को लाया गया था। तब अफसरों कादावा था कि बाघों की मौजूदगी का असर अवैध कटाई की रोकथाम में होगा लेकिन ऐसा नहीं हो सका है। इसके उलट बाघों की सुरक्षा को लेकर खतरा हो सकता है।

सागौन के पेड़ों के लिए प्रसिद्ध है रिजर्व

टाइगर रिजर्व पहले नौरादेही अभ्यारण्य हुआ करता था जिसकी स्थापना1975 में की गई थी। रिजर्व तीन जिले की सीमा में फैला हुआ है इसमें दमोह, सागर व नरसिंहपुर शामिल हैं। यहां काफी पुरानी और भारी भरकम वृक्ष लगे हुए हैं,जबकि काफी संख्या में ऐसे ही पेड़ों की कटाई हो चुकी है। खतरा हैं कि कभी सागौन के लिए अपनी पहचान बनाने वाले इस रिजर्व कहीं यह विलुप्त होने की कगार पर न आ जाए।

जन अभियान परिषद नवांकुर हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन ने दिया पर्यावरण का संदेश

तेंदूखेड़ा। जन अभियान परिषद द्वारा संचालित नवांकुर योजना के अंतर्गत तेन्दूखेड़ा ब्लॉक के सेक्टर तेजगढ़ के ग्राम पतलोनी में 'नवांकुर सखी एवं हरियाली यात्रा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रेरणादायक कार्यक्रम में हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन का सक्रिय सहयोग रहा। ग्रामवासियों, महिलाओं एवं बच्चों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम को एक जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम परिसर में महिलाओं के गरिमामय एकत्रीकरण के साथ हुई, जिसके पश्चात पर्यावरण जागरूकता के उद्देश्य से कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा पूरे गांव में घूमी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। यात्रा की शुरुआत कलश पूजन से हुई, जिसमें ग्राम की महिलाओं के साथ पुरुषों एवं बच्चों ने भी भाग लिया। हरियाली यात्रा के दौरान वृक्षारोपण का संदेश भी दिया गया,एवं महिलाओं के लिए बीजरोपित थैले एवं पौधे वितरित किये गए जिससे ग्रामीणों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़े। कार्यक्रम में नवांकुर सखियों ने पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण एवं सामुदायिक सहयोग जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। आयोजन ने सामाजिक एकता, जागरूकता और ग्राम विकास की नई प्रेरणा दी।

राज्य मंत्री ने किया बाढ़ प्रभावित गांव का दौरा, पीड़ितों को बांटा राशन

तेन्दूखेड़ा। बीते दिनों लगातार बारिश से प्रभावित हुए गांव में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी पहुंचे। उनके साथ कलेक्टर सुधीर कोचर और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की टीम भी मौजूद थीं। मंत्री लोधी ने जमरा गांव में लोगों को 10-10 किलो गेहूं चावल के पैकेट वितरित किए। उन्होंने बताया कि बीते दिनों बारिश के बाद जबेरा विधानसभा क्षेत्र के कई गांव बाढ़ से प्रभावित हुए थे, जहां काफी नुकसान हुआ है। उस समय विधानसभा चल रही थी इसलिए मैं पहुंच नहीं पाया लेकिन मैं लगातार जिले के प्रशस्तिक अधिकारियों के संपर्क में था। अब स्थिति सामान्य होती जा रही है। जिन बाढ़ प्रभावित गांवों में लोगों का नुकसान हुआ है वहां के सर्वे के लिए 22 टीमें बनाई गई हैं जो इन बाल प्रभावित गांवों में मकान फसल और पशुधन के नुकसान का सर्वे करेंगे ताकि उन्हें सरकार से मुआवजा दिलाया जा सके। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को सरकार की ओर से 50 किलो गेहूं चावल देने का निश्चय किया गया है। अभी उन्हें केवल 10-10 किलो गेहूं दिया गया है बाकी का प्रबंध कुछ दिन में हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा बच्चों को कपड़े बुजुर्गों को कंबल और अन्य ज़रूरी सामग्री वितरित की जाएगी। कई स्वयंसेवी संस्थाएं भी इन लोगों की मदद कर रही हैं। इन गांव में भंडारा भी चल रहा है ताकि स्थिति सामान्य होने तक गांव के लोगों को अपने घर में खाना ना बनाना पड़े और उन्हें सहजता से खाना मिल जाए।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन

सागर। पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत पर्यटन क्विज 2025 का जिला स्तरीय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर संदीप जी.आर. अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय तथा संयुक्त कलेक्टर आरती यादव संयुक्त कलेक्टर देवेंद्र प्रताप सिंह, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य सुधीर तिवारी आदि शामिल थे। प्रतियोगिता के लिए सागर जिले से 354 टीमों ने पंजीकरण कराया। क्विज दो चरणों में आयोजित की गई। पहला चरण लिखित परीक्षा सुबह 10 से 12 बजे तक उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुआ, जबकि दूसरा चरण ऑडियो-विजुअल राउंड रविन्द्र भवन में आयोजित किया गया। अपर कलेक्टर एवं क्विज प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी रुपेश उपाध्याय ने बताया कि मध्य प्रदेश में सागर में सर्वाधिक 354 पंजीयन किए गए जिसमें सभी प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान क्विज मास्टर द्वारा रोचक एवं ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता के अंत में शीर्ष तीन विजेता टीमों को मेडल, प्रमाण पत्र एवं तीन दिन व दो रात का पर्यटन भ्रमण कूपन प्रदान किया गया। वहीं अगली तीन श्रेष्ठ टीमों को दो दिन व एक रात का भ्रमण कूपन और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

डिप्रेशन की गोलियां खाकर डीएसपी ने की जान देने की कोशिश, सुसाइड नोट में कई अफसरों के नाम

परेड से लौटते ही उठाया आत्मघाती कदम

रतलाम। दोपहर मेट्रो

रतलाम में 24वीं बटालियन में पदस्थ डीएसपी रामबाबू पाठक ने खुदकुशी करने की कोशिश की है। डीएसपी ने डिप्रेशन की कई गोलियां खाकर अपनी जान देने की कोशिश की। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां से इंदौर रेफर किया गया। उन्होंने एक सुसाइड नोट भी लिखा है जिसमें 1 जुलाई को लिखी हुई है और इसमें कुछ वरिष्ठ अधिकारियों पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए हैं। वे सुबह प्रतिदिन के तरह अपनी परेड में पहुंचे और वहां से लौटने के बाद घर पर उन्होंने डिप्रेशन के साथ अन्य गोलियां अधिक मात्रा में खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। जैसे ही इस मामले की जानकारी बटालियन में साथ काम करने वालों को लगी तो हड़कंप मच गया। इसके बाद उन्हें एंबुलेंस से

नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद रतलाम मेडिकल कॉलेज और फिर वहां से इंदौर रेफर किया गया। बता दें डीएसपी ने एक सुसाइड नोट भी लिखा है, जिसमें उन्होंने पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों-यूसुफ कुरैशी, कृष्णा वेडी, इरशाद वली और हाल ही में ट्रांसफर हुए अमित तोलानी पर मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। नोट में एक पूर्व अधिकारी का भी जिक्र है। सुसाइड नोट में तारीख 1 अगस्त की जगह 1 जुलाई 2025 लिखी गई। बताया जा रहा है कि उन्होंने सुसाइड नोट को सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया था। हालांकि बाद में पोस्ट को हटा दिया गया। पोस्ट को पाठक ने स्वयं हटाया या अन्य किसी और ने अभी स्पष्ट नहीं है। मामले की अब गहराई से जांच चल रही है।

सोशल मीडिया पर धमकी भरी पोस्ट

संत प्रेमानंद की सलाह युवक को नहीं आई पसंद तो दी जान से मारने की धमकी

सतना। वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज का बीते दिनों एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ है। जिसमें उन्होंने युवाओं में फैले मनमाने आचरण से बचने की सलाह दी थी। इसमें उन्होंने कहा था कि आजकल समाज में बॉयफेंड-गर्लफ्रेंड, ब्रेकअप और पैचअप का चलन बढ़ गया है,जो कि युवाओं के जीवन को बर्बाद कर रहा है। इसी वीडियो को लेकर प्रेमानंद महाराज को सतना शहर के युवक के द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई। सतना निवासी शत्रुघ्न सिंह नाम की फेसबुक आईडी से पोस्ट किया गया था, जिसमें संत प्रेमानंद महाराज को जान से मारने की धमकी दी गई थी। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल भी हो रही है। युवक ने फेसबुक पर खुद की पत्रकार की प्रोफाइल बना रखी है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले कथावाचक अनिरुद्धाचार्य का लड़कियों की शादी की उम्र को लेकर एक बयान सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसमें उन्होंने कहा था कि 25 साल की शादी की उम्र तक लड़कियों के कई ब्रेकअप हो जाते हैं। उसके बाद अब सोशल मीडिया पर प्रेमानंद महाराज का वीडियो वायरल होने के बाद नई बहस छिड़ गई है।

लोगों ने मारपीट का कर दिया वीडियो वायरल

वॉटरफॉल में पास को लेकर चली लाठी

सागर। जिले के राहतगढ़ वाटरफॉल का एक वीडियो वायरल हुआ है। जहां गेट पास को लेकर हुए विवाद में कई युवक एक दूसरे पर लट्ठ चलाते दिख रहे हैं। मारपीट करने वाले लोग गेट पर तैनात कर्मचारी बताए जा रहे हैं। घटना बीती शाम की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि राहतगढ़ वाटरफॉल के मुख्य गेट पर पास को कर्मचारी और कुछ युवाओं का विवाद हुआ था। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। काफी देर तक हंगामा होता रहा। आसपास खड़े लोगों ने मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल

मीडिया पर वायरल कर दिया। बारिश के मौसम में राहतगढ़ वाटरफॉल का नजारा देखने जिलेभर से लोग पहुंच रहे हैं। भीड़ ज्यादा होने के कारण पास जारी करने में विवाद हो गया। इसी वजह से गेट पास को लेकर विवाद हो गया।

स्कूल वैन चालक उड़ा रहे नियमों की धज्जियां

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में स्कूल वाहनों के चैकिंग अभियान के तहत आरटीओ की टीम ने 3 और स्कूली वैन को गैस किट से चलते जब्त किया है।9 स्कूली वाहनों को चैक किया गया था। जिनमें एमपी 04 सीए 1549, एमपी 09 बीए 6384, एमपी 20 बीए 3181 वैन वाहन गैस किट से संचालित मिलीं। दो दिन पहले भी एक स्कूल वैन जब्त की गई थी। परिवहन अधिकारी ने कहा कि स्कूली वाहनों में बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ किया जा रहा है। अभिभावक अपने बच्चों को ऐसे वाहनों में स्कूल न भेजें जो गैस किट

से चल रहे हों, या क्षमता से अधिक बैठाए जाते हों। स्कूल बस संचालकों सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन करें। स्पीड गर्वनर, वाहन की कंडीशन, बीमा, फिटनेस, प्रदूषण प्रमाण पत्र, मोटरयान कर भुगतान प्रमाण पत्र, अग्निशमन यंत्र, चालक का हैवी लाइसेंस संबंधी नियमों का पालन करें। चालक ड्रेस में हो और वाहन की क्षमता से अधिक बच्चों को न बैठाया जाए। बता दें तमाम नियमों की स्कूल वैन संचालक खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। परिवहन अधिकारी द्वारा नियमों का पालन करने इन्हें सख्त हिदायत दी गई है।

शव ले जाने नि:शुल्क मिलेगा वाहन

सागर। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं सागर संभाग एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से जिले को प्राप्त दो शव वाहन को विधायक शैलेन्द्र जैन ने हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। डॉ. नीना गिडीयन ने बतलाया कि शासन की योजना का उद्देश्य हैं कि शासकीय स्वास्थ्य संस्था में रोगी एवं पीड़ित के उपचार के दौरान मृत्यु उपरान्त मृतक को निवास स्थल तक निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इसके लिएशव वाहन सेवा का संचालन प्रारंभ किया जा रहा हैं। जिला चिकित्सालय एवं बुंदेलखंड मेडीकल कॉलेज से घर व शमशान घाट तक शव को पहुंचाने की निःशुल्क सुविधा होगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ममता तिमोरी ने बताया कि शव वाहन का उपयोग जिले की सीमा के अन्दर किया जावेगा।

मेट्रो एंकर | श्री उमिया महाविद्यालय का मामला, अभविप का कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ फूटा आक्रोश, लगाए नारे

102 में से 90 छात्र हो गए फेल, शिक्षकों पर लगा पैसे मांगने का आरोप

महेश्वर। दोपहर मेट्रो

श्री उमिया महाविद्यालय में बी.एड. के 90 छात्रों को फेल किए जाने के बाद जमकर हंगामा हुआ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में छात्रों ने कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए गंभीर भ्रष्टाचार, जातिगत भेदभाव और शिक्षा के व्यापारीकरण का आरोप लगाया। छात्रों के भारी दबाव के बाद कॉलेज प्रबंधन ने प्राचार्य अलका पाठक और शिक्षक महेश पंवार को निलंबित कर दिया। बी.एड. के कुल 102 छात्रों में से 90 को फेल घोषित कर दिया गया, जिसके बाद छात्रों में भारी आक्रोश फैल गया। छात्रों का आरोप है कि उन्हें पास कराने और प्रैक्टिकल नंबर देने के लिए 4000 रूपए मांगे गए थे। जिन छात्रों ने पैसे दिए, उन्हें पास कर दिया गया, जबकि पैसे न देने वालों को फेल कर दिया गया। इसके अलावा, फेल हुए छात्रों से कॉपी रीचेकिंग के नाम पर लाइब्रेरियन महेश पंवार द्वारा 12000 रूपए मांगे जाने का भी आरोप है। एबीवीपी जिला संयोजक रोनक सोनी ने प्राचार्य पर और भी गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनमें व्यक्तिगत उपयोग के लिए सामान मंगवाना और अनुसूचित जाति / जनजाति वर्ग के छात्रों के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करना शामिल है।

यह मामला तब और भड़का जब प्रदर्शन के दौरान प्राचार्य अलका पाठक की बेटी आस्था पाठक कॉलेज पहुंचीं और एबीवीपी के जिला संयोजक रौनक सोनी सहित छात्रों पर 500-500 रुपये लेकर प्रदर्शन करने का आरोप लगाते हुए अभद्र व्यवहार किया। इससे गुस्साए छात्रों ने अलका पाठक के खिलाफ नारे भी लगाए।

गेट पर लगा दिया ताला

छात्रों ने अपनी मांगों को मनवाने के लिए पहले सड़क पर चक्का जाम किया और फिर कॉलेज गेट पर ताला लगा दिया। मण्डलेश्वर थाना प्रभारी दीपक यादव, पुलिस व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मण्डलेश्वर एसडीएम अनिल जैन के हस्तक्षेप के बाद ही छात्रों ने धरना खत्म किया। छात्रों के बढ़ते दबाव के सामने झुकते हुए कॉलेज प्रबंधन ने प्राचार्य अलका पाठक और शिक्षक महेश पवार को निलंबित कर दिया। इसके साथ ही, प्रबंधन ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर को एक पत्र लिखकर फेल हुए छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं का दोबारा मूल्यांकन (रिचेकिंग) कराने का अनुरोध किया है। एबीवीपी के जिला संयोजक रौनक सोनी ने चेतावनी दी है कि यदि कॉलेज प्रबंधन द्वारा इन निलंबित कर्मचारियों को फिर से बहाल किया गया, तो विद्यार्थी परिषद एक और बड़ा आंदोलन करेगा।

ओवल टेस्ट रोमांचक मोड़ में : टीम इंडिया ने दूसरे दिन अंग्रेजों पर किया पलटवार

अपने बुने जाल में फंसे अंग्रेज, यशस्वी टिके तो पलटेगा मैच, आज का खेल निर्णायक

लंदन, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा ओवल टेस्ट दो दिन के बाद काफी रोमांचक हो चुका है। टीम इंडिया ने दूसरे दिन के खत्म होने के बाद 2 विकेट पर 75 रन बना लिए हैं। भारतीय टीम की लीड 52 रन की हो चुकी है। यशस्वी जायसवाल 51 और आकाश दीप 4 रन बनाकर नाबाद हैं। ऐसा लग रहा है कि इंग्लैंड की टीम ओवल टेस्ट में अपने ही बुने जाल में फंस चुकी है।

यशस्वी जायसवाल ने दूसरे दिन आखिरी सेशन में कमाल की बैटिंग की। उन्होंने सिर्फ 44 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। वहीं दिन खत्म होने तक जायसवाल 51 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले केएल राहुल 7 बनाकर जोश टंग की गेंद पर आउट हुए। वहीं साई सुदर्शन 11 रन बनाकर गस एटकिंसन का शिकार बन गए। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के 4-4 विकेट से इंग्लैंड की टीम शुक्रवार को यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में 247 रन पर सिमट गई जिससे उसने 23 रन की बढ़त हासिल की। कंधे की चोट के कारण क्रिस वोक्स बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे और इंग्लैंड ने 247 रन पर अपना 9वां विकेट गंवा दिया। इंग्लैंड के लिए जैक क्रॉउली (64 रन) और हैरी ब्रुक (53 रन) ने अर्धशतक बनाए। सिराज ने 86 रन देकर और कृष्णा ने 62 रन देकर चार चार विकेट झटके। आकाश दीप को एक विकेट मिला।

20 रन और जोड़ पाई टीम इंडिया

टीम इंडिया ने पहले दिन 6 विकेट खोकर 204 रन बनाए थे। जवाब में दूसरे दिन जब भारतीय टीम बल्लेबाजी करने उतरी तो वो अपने स्कोर में 20 रन और जोड़ पाई और ऑलआउट हो गई। करुण नायर ने सबसे ज्यादा 57 रन की पारी खेली। वहीं वाशिंगटन सुंदर 26 रन बना पाए। इंग्लैंड के लिए 5 विकेट गस एटकिंसन ने झटके।

इंग्लैंड के ओपनर्स की ताबड़तोड़ शुरुआत

मैच में इंग्लैंड की टीम जब भारत के 224 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी तो उसे उसके ओपनर्स ने कमाल की शुरुआत दी। बेन डकेट (43) और जैक क्राउली ने मिलकर जल्दी-जल्दी 92 रन जोड़ दिए। हालांकि डकेट एक बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में आउट हो गए। इसके बाद इंग्लैंड की विकेटों की झड़ी लग गई। ओली पोप (22), जो रूट (29), जैकब बैथल (6) और जेमी स्मिथ (8) कुछ खास नहीं कर पाए। हालांकि ब्रूक इस बीच लगे रहे और उनके सामने बाकी बल्लेबाज आते जाते रहे। प्रसिद्ध कृष्णा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड के निचले क्रम को निपटाने का काम किया। जेमी ओवरटन बिना खाता खोले आउट हो गए। वहीं गस एटकिंसन 11 रन बनाने के बाद प्रसिद्ध का शिकार बने। इसके अलावा इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर की सफाई मोहम्मद सिराज ने की।

मैदान में भिड़ गए जो रूट और प्रसिद्ध कृष्णा, अंपायर्स ने किया बीच-बचाव

मुकाबले के दूसरे दिन (1 अगस्त) मैदान पर भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों के बीच तनातनी देखने को मिली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट और भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा बीच मैदान पर ही भिड़ गए, दोनों के बीच खूब बहस हुई। इंग्लैंड की पारी के 22वें ओवर में ये पूरा वाकया हुआ। उस ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने पहली गेंद पर जैक क्राउली को आउट किया, जो 64 रन बना चुके थे। इसके बाद जो रूट इंग्लैंड की ओर से बैटिंग करने उतरे। जो रूट ने जब उस ओवर में पांचवीं गेंद पर डिफेंसिव शॉट खेला तो प्रसिद्ध कृष्णा ने उन्हें उकसाने की कोशिश की। फिर जो रूट ने उस ओवर की आखिरी गेंद पर चौका जड़ा तो गेंदबाज के साथ-साथ बल्लेबाज भी अपना खो बैठे। दोनों के बीच खूब बहस हुई। फिर अंपायर और कुछ भारतीय खिलाड़ी भी इस बहस में शामिल हो जाते हैं।

वोक्स के चोटिल होने पर बहस शुरू

पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने की इंजरी रिप्लेसमेंट करने के नियम की वकालत

लंदन, एजेंसी

इंग्लैड टेस्ट टीम के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की कंधे की चोट ने टेस्ट क्रिकेट में इंजरी रिप्लेसमेंट्स नियमों पर बहस को फिर से हवा दी है। पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने रिप्लेसमेंट नियम की वकालत की है। पूर्व खिलाड़ी ने सुझाव दिया है कि इससे क्रिकेट की गुणवत्ता में सुधार होगा। ओवल में भारत के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट के पहले दिन फील्डिंग करते हुए वोक्स चोटिल हो गए थे।

इससे पहले भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल हो गए थे। पंत दूसरे दिन साहस दिखाते हुए मैदान पर लौटे। हालांकि, उन्होंने सिर्फ बल्लेबाजी की। विकेटकीपर के तौर पर भारत ने पंत की जगह ध्रुव जुरेल को विकेट के पीछे उतारा, लेकिन आईसीसी के नियमों के कारण पंत दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध नहीं थे।

11-11 खिलाड़ियों के अनुपात को बनाए रखने के पक्ष में स्टुअर्ट

स्टुअर्ट ब्रॉड ने स्काई स्पोर्ट्स पर क्रिकेट में 11-11 खिलाड़ियों के अनुपात को बनाए रखने के पक्ष में तर्क दिया, खासकर जब चोटें असामान्य हों। उनका कहना है कि इससे मैच की गुणवत्ता और स्तर में सुधार होगा। ब्रॉड ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी स्थिति में पूरे मैच के लिए समान संख्या में खिलाड़ी होने से खेल का संतुलन बना रहता है।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025

पाकिस्तान के चैंपियंस बनने की राह में मुश्किल पैदा करेगा दक्षिण अफ्रीका

लंदन, एजेंसी

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 (डब्ल्यूसीएल) अपने अंतिम मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। एबी डिविलियर्स की अगुवाई में साउथ अफ्रीका चैंपियंस शनिवार को ग्रैंड फिनाले में पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ आमने-सामने होगी। डब्ल्यूसीएल में इस साल एबी डिविलियर्स फाइनल का ताज पहनने और साउथ अफ्रीका के लिए खिताब पक्का करने को तैयार हैं। हाशिम अमला, इमरान ताहिर, वेन पार्नेल और क्रिस मॉरिस जैसे शानदार खिलाड़ियों की बदौलत, साउथ अफ्रीका चैंपियंस टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम पर शानदार जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई।

वहीं, पाकिस्तान चैंपियंस टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही है। मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, शरजील खान, और सईद अजमल जैसे खिलाड़ियों के दम पर टीम काफी मजबूत दिखाई दे रही है। फाइनल में भी टीम अच्छा प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

बुलवायो टेस्टः न्यूजीलैंड 9 विकेट से जीता-जिम्बाब्वे की दूसरी पारी 165 रन पर सिमटी

बुलवायो। न्यूजीलैंड ने बुलवायो में खेले गए पहले टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ कीवियों ने 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। न्यूजीलैंड को सिर्फ 8 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे उसने सिर्फ 1 विकेट खोकर हासिल कर लिया। मैट हेनरी ने इस मुकाबले में कुल 9 विकेट चटकाए।

जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। टीम 149 रन पर ऑलआउट हो गई। हेनरी ने सबसे ज्यादा 6 विकेट चटकाए। जवाब में डेवोन कॉनवे (88) और डेरिल मिचेल (80) की पारियों के दम पर न्यूजीलैंड ने 307 रन बनाए। जिम्बाब्वे की दूसरी पारी सिर्फ 165 रन पर ही समाप्त हो गई। मिचेल सेंटनर ने 4 विकेट लिए और कीवी टीम ने आसानी से मैच जीत लिया।

एशिया कप से पहले टी20 त्रिकोणीय सीरीज में अफगान और पाक की मेजबानी करेगा यूएई

दुबई । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) 29 अगस्त से ऐतिहासिक शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में सात मैचों की टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला में पाकिस्तान और अफगानिस्तान की मेजबानी करेगा। ग्रुप चरण में प्रत्येक टीम दो-दो बार एक-दूसरे से खेलेगी, जिसके बाद शीर्ष दो टीमें 7 सितंबर को फाइनल में जगह बनाएंगी। अफगानिस्तान 29 अगस्त को टूर्नामेंट के पहले मैच में पाकिस्तान से भिड़ेगा। मेजबान यूएई अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को पाकिस्तान के खिलाफ करेगा। इसके बाद अफगानिस्तान का मुकाबला 1 सितंबर को यूएई से और दूसरा ग्रुप-स्टेज मैच 2 सितंबर को पाकिस्तान से होगा। पाकिस्तान और यूएई का दूसरा ग्रुप-स्टेज मैच 4 सितंबर को खेला जाएगा, जिसके बाद अफगानिस्तान-यूएई मैच 5 सितंबर को होगा। यह टूर्नामेंट तीनों टीमों को 9 सितंबर से यूएई में खेले जाने वाले आठ टीमों के एशिया कप 2025 से पहले तैयारी करने के लिए

एक सटीक अवसर प्रदान करेगा। आईसीसी के फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम के अनुसार, पाकिस्तान को शुरू में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए अफगानिस्तान की मेजबानी करनी थी।

पाकिस्तान वर्तमान में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेल रहा टी-20 सीरीज

त्रिकोणीय सीरीज में भाग लेने वाली तीन टीमों में, पाकिस्तान आईसीसी टी-20 रैंकिंग में आठवें स्थान पर है, उसके बाद अफगानिस्तान नौवें और संयुक्त अरब अमीरात 14वें स्थान पर है। पाकिस्तान वर्तमान में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज खेल रहा है। पाकिस्तान ने अपना पहला मैच जीत लिया है। उनका एशिया कप अभियान 12 सितंबर को ओमान के खिलाफ शुरू होगा। अफगानिस्तान ने आखिरी बार पिछले साल के अंत में जिम्बाब्वे में टी-20 श्रृंखला खेली थी। यह टीम 9 सितंबर को हांगकांग के खिलाफ अपने एशिया कप अभियान की शुरुआत करेगी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों ने भारत और श्रीलंका में होने वाले 2026 टी-20 विश्व कप के लिए पहले ही सीधे क्वालीफाई कर लिया है।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

आमिर की तारीफ सुनकर टाइगर श्रॉफ हुए भावुक, कहा- मुझे आगे बढ़ने की मिली प्रेरणा

यह आपसी प्रशंसा का एक पल था जब अपनी विनम्रता और हाज़रिजवाबी के लिए मशहूर आमिर खान ने हाल ही में एक दिलचस्प किस्सा साझा किया – जो टाइगर श्रॉफ के आज की युवा पीढ़ी में गहरे प्रभाव को बखूबी दर्शाता है। आमिर की खास हास्य शैली में सुनाया गया यह किस्सा तभी और भी खास बन गया, जब एक्शन किंग टाइगर श्रॉफ ने तहे दिल से आभार व्यक्त किया।

एक बातचीत के दौरान, आमिर से पूछा गया, लोग अक्सर कहते हैं कि शाहरुख़ के घर के बाहर भीड़ लगी रहती है, सलमान के घर के बाहर हमेशा भीड़ रहती है... लेकिन आमिर के घर के बाहर नहीं, ऐसा क्यों?

कभी-कभी भीड़ होती थी। कुछ सालों तक मैं और किरण एक दूसरी बिल्डिंग में शिफ्ट हुए थे, जहां जैकी श्रॉफ भी रहते थे। एक दिन मैं घर लौटा और देखा कि गेट के बाहर बहुत भीड़ है। मैंने सोचा, आखिरकार मेरे लिए भी लोग आए हैं! मैं खुशी-खुशी बाहर निकला, तस्वीरें खिंचवाने के लिए तैयार। लेकिन फिर मुझे बताया गया कि भीड़ असल में टाइगर का इंतज़ार कर रही थी! आमिर के ख़ास हास्य से भरपूर यह किस्सा, टाइगर श्रॉफ के अपार क्रेज़ का, खासकर युवा पीढ़ी के बीच, एक ज़बरदस्त प्रमाण था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, टाइगर श्रॉफ ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, आमिर सर से ऐसी सराहना मिलना – जो पीढ़ियों से कलाकारों को प्रेरित करते आ रहे हैं – मेरे लिए बहुत विनम्र करने वाला अनुभव है।

सनकिस्ड एंड स्टनिंग: इन सेलेब्स को गोल्डन ऑवर का जादू बखूबी आता है

गोल्डन ऑवर में कुछ ऐसा जादू होता है जो आम पलों को सिनेमा जैसा बना देता है। ये बॉलीवुड की हसीनाएं बखूबी जानती हैं कि सूरज की हल्की किरणों का इस्तेमाल कैसे करना है, जिससे हर तस्वीर एक खूबसूरत सनकिस्ड ग्लो के साथ सामने आए। फिर चाहे वो छत पर लिया गया पावर पोज हो या बीच पर एक सुकून भरा पल–ये एक्ट्रेसेस जानती हैं कि कैसे सूरज की रौशनी को अपना बेस्ट एंगल बनाना है। इस रूफटॉप शॉट में आलिया का कॉन्फिडेंस और स्टाइल दोनों ही झलकते हैं। ब्लैक ब्लेज़र और स्टेटमेंट नेकलेस में उनका लुक गोल्डन ऑवर की रौशनी के साथ और भी निखरकर सामने आता है। हवा में उड़ते बाल और उनके एक्सप्रेशन इस तस्वीर को एकदम सिनेमैटिक बना देते हैं।

यह साबित करता है कि नेचुरल लाइटिंग सबसे सिंपल स्टाइलिंग को भी खास बना सकती है।

इस इंटिमेट पोट्रेट में जॉर्जिया के चेहरे पर पड़ती सूरज की मुलायम किरणें उनके फीचर्स को एक सुंदर गर्माहट के साथ निखारती हैं। बालों में पड़ती रोशनी और चेहरे पर हल्की-हल्की परछाइयां एक प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों तरह का फील देती हैं। उनका सुकून भरा एक्सप्रेशन और चेहरे के पास रखा हाथ इस फोटो को एक मैगज़ीन कवर जैसा बना देता है।

सनलाइट में नहाई मलाइका इस ट्रॉपिकल शॉट में किसी स्वर्गिक देवी जैसी लगती हैं। उनके बालों के बीच से छनकर आती रोशनी किसी तरल सोने सी लगती है। पीछे के पाम ट्रीज़ और सॉफ्ट, हेज़ी लाइट इस तस्वीर को ड्रीमी वेकेशन वाइब्स देती हैं। बिना मेकअप के नेचुरल लुक और गोल्डन लाइट इस फोटो को बेहद सुंदर और सच्चा बनाते हैं।

फोटो में परी की तरह चमक रही तमन्ना

तमन्ना इस फोटो में किसी परी सी चमक रही हैं। सूर्यास्त की किरणें उनके चेहरे और बालों को सुनहरे टोन में निखारती हैं। सॉफ्ट लाइट उनके चेहरे के चारों ओर एक ग्लोइंग ऑरा क्रिएट करती है, वहीं उनकी एलिगेंट पोज़ और ज्वेलरी इस फोटो को रॉयल टच देती हैं। यह शॉट साबित करता है कि सही लाइटिंग से साधारण स्टाइलिंग भी लग्ज़री लग सकती है। बीच पर लिया गया यह शॉट शहनाज़ की सादगी और सुंदरता को पूरी तरह दर्शाता है। सूरज की किरणें उनके प्रोफाइल को हल्के से उजागर करती हैं, जिससे उनकी स्किन फ्लॉलेस लगती है। समंदर की पृष्ठभूमि और धूप में चमकता पानी इस फोटो को एक रोमांटिक, ड्रीमी फील देता है।

मेट्रो बाजार

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.7 अरब डॉलर बढ़कर 698.19 अरब डॉलर हुआ

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 25 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.7 अरब डॉलर बढ़कर 698.19 अरब डॉलर हो गया। बढ़े हुए फॉरेन करेंसी एसेट्स की वजह से यह वृद्धि दर्ज की गई, जो 1.31 अरब डॉलर बढ़कर 588.93 अरब डॉलर हो गए। डॉलर में व्यक्त इन एसेट्स में रिजर्व में रखे यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य प्रमुख मुद्राओं के मूल्य में बदलाव का प्रभाव शामिल होता है। स्वर्ण भंडार ने भी इस वृद्धि में योगदान दिया, जो 1.2 अरब डॉलर बढ़कर 85.7 अरब डॉलर हो गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 12.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.8 अरब डॉलर हो गए, जबकि आईएमएफ के साथ भारत की रिजर्व पॉजिशन इस सप्ताह 5.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.75 अरब डॉलर हो गई। आरबीआई समय-समय पर लिक्विडिटी मैनेज करने और रुपए की विनिमय दर में अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करता है। इस तरह के हस्तक्षेप का उद्देश्य किसी विशिष्ट विनिमय दर स्तर को लक्षित करने के बजाय व्यवस्थित बाजार स्थितियों को बनाए रखना होता है। इस बीच, पिछले महीने के अंत में जारी आरबीआई के मासिक बुलेटिन के अनुसार, भारत में सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) इस वर्ष अप्रैल में तेजी से बढ़कर 8.8 अरब डॉलर हो गया।

जुलाई में जीएसटी संग्रह 7.5 प्रतिशत बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपए हुआ

मुंबई । केन्द्र सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह जुलाई में बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 7.5 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि घरेलू लेनदेन और आयात दोनों से प्राप्त राजस्व में वृद्धि के कारण हुई, जो स्थिर आर्थिक गतिविधि को दर्शाता है, हालांकि विकास की गति हाल के महीनों की तुलना में धीमी रही। इस वर्ष अप्रैल और जुलाई के बीच, ग्रॉस जीएसटी राजस्व 8.18 लाख करोड़ रुपए रहा, जो 2024 की इसी अवधि के 7.39 लाख करोड़ रुपए से 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। जुलाई में, कुल ग्रॉस जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी से 35,470 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी से 44,059 करोड़ रुपए, इंटीग्रेटेड जीएसटी से 1,03,536 करोड़ रुपए (आयात से 51,626 करोड़ रुपए सहित) और सेस से 12,670 करोड़ रुपए (आयात से 1,086 करोड़ रुपए सहित) शामिल थे। जुलाई लगातार सातवां महीना रहा, जिसमें संग्रह 1.8 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा, लेकिन यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के 2.1 लाख करोड़ रुपए के औसत से कम था। अप्रैल में जीएसटी प्राप्तियां रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई थीं, जो मई में घटकर 2.01 लाख करोड़ रुपए रह गई। रिफंड के एडजस्टमेंट के बाद, जुलाई में नेट जीएसटी राजस्व 1,68,588 करोड़ रुपए रहा, जो एक वर्ष पहले के 1,65,800 करोड़ रुपए से केवल 1.7 प्रतिशत अधिक है।

बिजली अफसर बदले अहिरवार को ऊर्जा विकास निगम, परिहार जीएम

भोपाल । मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में वरिष्ठ अफसरों के प्रभार में फेरबदल के तहत बीबीएस परिहार को भोपाल शहर वृत्त के मुख्य महाप्रबंधक का प्रभार सौंपने के साथ ही डीपी अहिरवार को ऊर्जा विकास निगम के वर्षों से रिक्त महाप्रबंधक के पद पर भेजा गया है। रवि प्रकाश चौबे और राजेन्द्र कुमार अग्रवाल को उप मुख्य महाप्रबंधक कंपनी मुख्यालय तथा राजेश सक्सेना को उप मुख्य महाप्रबंधक श्योपुर वृत्त बनाया गया है। इसी क्रम में विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम के अध्यक्ष जयनारायण नागर की सेवा अध्यक्ष के रूप में निरंतर रखते हुए उप मुख्य महाप्रबंधक का प्रभार सौंपा गया है। प्रशासनिक सुविधा की दृष्टि से मुख्यालय में पदस्थ उप मुख्य महाप्रबंधक अमिता तिवारी को प्रोजेक्ट अनुभाग की मुख्य महाप्रबंधक का प्रभार सौंपा गया है।

नवोदय विद्यालय प्रवेश के लिए चयन परीक्षा आवेदन 10 तक

भोपाल। कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-2026 के आवेदन ऑनलाईन शुरू हो गए है। आवेदन की तारीख बढ़ाकर 10 अगस्त कर दी गई है। वह छात्र-छात्राएं आवेदन के पात्र है जो शासकीय/अशासकीय/ई.जी.एस के कक्षा पाँचवी में अध्ययनरत् है, तथा जिनका जन्म 1 मई 2014 से 31 जुलाई 2016 के मध्य हुआ हो।

टीटी नगर थाना क्षेत्र का मामला

कार की टक्कर से स्कूटर सवार युवती घायल, चालक भागा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर इलाके में एक कार चालक ने स्कूटर सवार युवती को टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बाणगंगा जवाहर चौक निवासी कनिष्का बोरसे (24) शुक्रवार दोपहर अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटर से काटजू अस्पताल के पास एक डॉक्टर को दिखाने जा रही थी। वह जवाहर चौक स्थित आस्था अस्पताल के पहुंची, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे वह स्कूटर समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गयी।

इस दौरान टक्कर मारने वाला कार चालक वाहन लेकर मौके से भाग निकला। बाद में युवती ने थाने जाकर टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

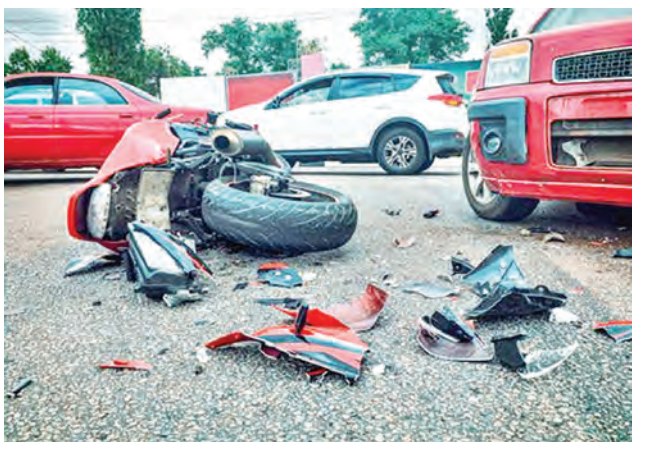

बाइक सवार युवक को ट्रक ने मारी टक्कर

भोपाल। पिपलानी इलाके में बाइक सवार एक युवक को ट्रक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार ओल्ड मिनाल रेसीडेंसी में रहने वाला प्रकाश मालवीय (29) शासकीय कार्यालय में कम्प्यूटर आपरेटर का काम करता है। एक अगस्त की रात करीब एक बजे वह अपने भाई शुभम मालवीय के साथ बंसल प्लाजा जा रहा था। दोनों भाई अलग-अलग बाइकों पर सवार थे। जेके रोड तिराहा पर एक ट्रक चालक ने शुभम की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गया। उसके पैर में गंभीर चोट आई है। प्रकाश ने घायल भाई को इलाज के लिए इंद्रपुरी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया और बाद में थाने जाकर टक्कर मारने वाले ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

एक्सीडेंट में बाइक सवार तीन लोग घायल

भोपाल। कटारा हिल्स इलाके में एक्सीडेंट में बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक राजू हरियाल (50) सतनामी नगर पिपलानी में रहते हैं और सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं। राजू ने पुलिस को बताया कि तीस जुलाई को उनका बेटा रोहित अपने दोस्तों के साथ बाइक से भोजपुर मंदिर जाने के लिए निकला था। रापडिया चौराहा से करीब डेढ़ किलोमीटर आगे पहुंचने पर सामने से आ रहे एक वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। राहगीरों ने उन्हें इलाज के लिए मिसरोद स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया। हादसे की सूचना के बाद अस्पताल पहुंचे राजू ने अपने बेटे से बातचीत करने के बाद कटरा हिल्स थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

बहन से कहासुनी, युवती ने लगाई फांसी, डेम में डूबे युवक की मौत

भोपाल। गुनगा इलाके में रहने वाली एक युवती ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना से पहले उसका अपनी बहन के साथ पैसे मांगने की बात को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इसी इलाके में नहाते समय डेम में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। गुनगा पुलिस दोनों मामलों में कर रही जांच

बताया जाता है कि वह दोस्तों के साथ पार्टी मनाने के लिए डेम पर पहुंचा था। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही दोनों मामलों में सही घटनाक्रम का पता चल पाएगा। थाना प्रभारी कृष्णा सिंह ठाकुर ने बताया कि ऊषा लोधी पुत्र लक्ष्मीनारायण (21) ग्राम करोंदिया थाना गुनगा में रहती थी और प्रायवेट काम करती थी। हालांकि करीब दो महीने पहले उसने अपनी जॉब छोड़ दी थी। छह बहनों में ऊषा सबसे छोटी थी, जबकि उसकी दो बहनों की शादी हो चुकी है। तीसरे नंबर की बहन मानसिक रूप से कुछ बीमारी रहती है। बताया जाता है कि शुक्रवार को उस बहन ने ऊषा से कुछ पैसों की मांग की थी।

'वर्तमान में नौकरी नहीं होने के कारण उसने पैसे देने से इंकार किया तो दोनों के बीच मामूली कहासुनी हो गई। उसके बाद ऊषा ने अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। परिजनों की नजर पड़ी तो उसे फंदे से उतारकर इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया। मृतका के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों ने प्रारंभिक तौर पर बड़ी बहन के साथ कहासुनी की बात बताई है। पुलिस का कहना है कि मर्ग जांच के बाद फांसी लगाने के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा।

प्रोजेक्ट आवाज़ का ग्रैंड फिनाले आज संगीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अकादमी ऑफ़ म्यूजिक एंड टेक्नोलॉजी आज शाम एक भव्य सांस्कृतिक-संगीत संध्या एवं प्रोजेक्ट आवाज़ के ग्रैंड फिनाले का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम सायं 6:30 बजे सेसमन्वय भवन सभागार, टी.टी. नगर, भोपाल में आयोजित होगा।

इंस्टिट्यूट की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर आकृति मेहरा ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री पं. उमाकांत गुंदेचा और विशेष अतिथि के रूप में अखिलेश गुंदेचा रहेंगे। सेलिब्रिटी अतिथि अभिनेत्री कांची सिंह भी उपस्थिति रहेंगी । साथ ही, कई अन्य शिक्षाविद, समाजसेवी, कलाकार एवं संगीत प्रेमी इस सांस्कृतिक संध्या में सहभागिता करेंगे, जिनमें इंस्टिट्यूट के को-फाउंडर प्रदीप पटेरिया एवं फैकल्टी सदस्य वारुनी शर्मा शामिल हैं। इस अवसर पर प्रख्यात भजन गायक अनूप जलोटा एवं आकृति मेहरा द्वारा रचित कृष्ण भजन का विशेष लॉन्च किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य उभरती प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और संगीत के माध्यम से संस्कृति को बढ़ावा देना है।

अतिथि विद्वान 12 तक दे सकेंगे दस्तावेज, वेरिफिकेशन 13 को

भोपाल। प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में कार्यरत अतिथि विद्वानों को अपनी प्रोफाइल अपडेट करने एवं फालेन आउट अतिथि विद्वानों के च्वाइस फीलिंग के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने प्रथम चरण की समय सारिणी जारी की है। जिसके अनुसार, महीने में दो बार फालेन आउट हुए अतिथि विद्वानों को नियुक्त करने के लिए किया जाता है। जैसा की विदित हो किसी भी नियमित प्रोफेसरों के ट्रांसफर या पोस्टिंग से अतिथि विद्वान फालेन आउट हो जाते है।

स्कूल में छात्र परिषद के लिए वोटिंग, विद्यार्थियों ने जानी लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया

भोपाल। उपनगर में साधु वासवानी स्कूल में छात्र परिषद के चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से हुए। विद्यार्थियों ने वोट डालकर अपने प्रतिनिधियों को चुना। चुनाव प्रक्रिया के आरंभ में शिक्षाविद विष्णु गेहानी ने कहा कि यह चुके लोकतंत्र की पहली सीढ़ी है, जिसका उद्देश्य बच्चों को चुनाव प्रक्रिया की जानकारी देना और उन्हें स्कूल के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराना है। इसे लेकर पूरे स्कूल में चुनावी माहौल था और छात्र-छात्राएं बेसब्री से नतीजों का इंतजार कर रहे थे। अंत में, प्राचार्या सुतापा जॉयसवाल और उप-प्राचार्या स्वाति कलवानी की देखरेख में नतीजे घोषित किए गए। मुकिता इंटरनेशनल स्कूल में हेड बॉय समीर मीणा, हेड गर्ल दिया लालवानी चुनी गई, जबकि साधु वासवानी स्कूल में हेड बॉय सुनील अहिरवार, और डिप्टी हेड बॉय शुभम त्रिपाठी विजयी रहे। चुनाव में मतदान की पूरी प्रक्रिया, जिसमें वोटिंग लिस्ट, उंगली पर स्याही लगाना, और मतपत्र पर मुहर लगाना शामिल था, को पूरी तरह से लोकतांत्रिक तरीके से किया गया।

ट्रेन में महिला का पर्स उड़ाया आयोग ने कहा- रेलवे हर्जाना दे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जिला उपभोक्ता आयोग ने रेलवे को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए 15 हजार रुपये का हर्जाना देने का आदेश दिया है। मामला ट्रेन में महिला यात्री का पर्स चोरी का है। आयोग की अध्यक्ष गिरिबाला सिंह और सदस्य अंजुम फिरोज की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ट्रेन में टीटीई और रेलवे पुलिस की अनुपस्थिति रेलवे की सेवा में कमी है।

दरअसल महू निवासी सुनीता मिश्रा ने तीन वर्ष पहले पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के महाप्रबंधक और पश्चिम मध्य रेलवे रानी कमलापति के मंडल रेल प्रबंधक के खिलाफ याचिका लगाई थी। उन्होंने शिकायत में बताया कि 9 जनवरी 2021 को वे आंबेडकर नगर-रीवा ट्रेन की स्लीपर कोच में सफर कर रही थीं। यात्रा के दौरान रात को सोते समय उन्होंने अपना पर्स सिर के नीचे रखा था। बैरागढ़ स्टेशन पर रात 1.40 बजे एक अज्ञात व्यक्ति चलती ट्रेन से उनका पर्स

खींचकर भाग गया। पर्स में सोने का मंगलसूत्र, मोबाइल और 6500 रुपये नकद थे। घटना के बाद महिला ने बीना जीआरपी में एफआईआर दर्ज कराई, लेकिन उन्हें अपना चोरी हुआ सामान नहीं मिला। शिकायत में महिला ने यह भी लिखा कि घटना के समय ट्रेन में न तो पुलिस का जवान था और न ही टीटीई मौजूद था। इस मामले में आयोग ने कहा कि यह घटना लूट की प्रतीत होती है, जिसमें हस्तक्षेप करने का अधिकार आयोग को नहीं है। लेकिन ट्रेन में टीटीई और रेलवे पुलिस की अनुपस्थिति सेवा में कमी मानी जाएगी। इसलिए रेलवे को दोषी मानते हुए महिला को 15 हजार रुपये हर्जाने के रूप में देने का आदेश दिया गया।

दिनदहाड़े सूने फ्लेट का ताला तोड़कर नगदी सहित सवा लाख रुपए की चोरी

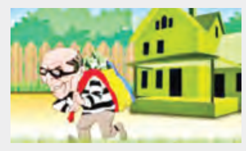

भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कोक्ता मल्टी ट्रॉसपोर्ट नगर में सूने फ्लेट का ताला तोड़कर बदमाश 35 हजार रुपए की नगदी, सोने के जेवरात सहित सवा लाख रुपए का माल चुराकर ले गए। बदमाशों ने दिनदहाड़े वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने गृहणी की शिकायत पर नकबजनी का मामला दर्ज करते हुए बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। दोपहर में ट्रांसपोर्ट नगर में हुई वारदात पुलिस के अनुसार ज्योति कारा पति दीपक कारा (29) सी-17 फ्लेट नंबर-306, कोक्ता मल्टी, ट्रांसपोर्ट नगर में रहती हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह जनरल स्टोर का संचालन करती हैं। दो दिन पूर्व 30 जुलाई बुधवार सुबह उनके पति अपने काम पर चले गए। जबकि सुबह करीब 11 बजे वह भी फ्लैट के गेट पर ताला लगा जनरल स्टोर चली गई थी। दोपहर 3 बजे वह जनरल स्टोर्स से घर लौटी तो मेन गेट का ताला टूटा मिला। फ्लेट के अंदर जाकर देखने पर पता चला कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। बदमाश घर से सोने का मंगलसूत्र, सोने की अंगूठी, सोने की झूमकी, सोने का ब्रेशलेट चुराकर ले गया है। चोरी गए जेवरात की कीमत करीब 90 हजार रुपए बताई जा रही है। इसके अलावा बदमाश घर से 35 हजार रुपए की नगदी भी चुराकर ले गए। बदमाश उनके घर से करीब सवा लाख रुपए का माल बटोरकर ले गए हैं।

खिड़की की रॉड काटकर घुसे बदमाश, पचास हजार का घरेलू सामान चोरी

भोपाल। कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित इंद्रविहार पंचवटी कॉलोनी में सूने मकान की खिड़की की रॉड काटकर घुसे बदमाश पचास हजार रुपए का घरेलू सामान चुराकर ले गए। पुलिस ने नकबजनी का मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। लता पाटकर (66) मकान नंबर ई-15/3 इंद्रबिहार पंचवटी कालोनी में रहती हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह गृहिणी है। करीब 1 महीने पहले वह गायत्री मंदिर थाना देहात जिला विदिशा चली गई थी। वहां से 29 जुलाई को दोपहर करीब ढाई बजे भोपाल लौटी। इस दौरान पता चला कि घर के मुख्य गेट का ताला लगा था, लेकिन उसके पास की खिड़की की लोहे की राड टूटी हुई थी। रॉड काटकर अज्ञात बदमाश टीसीएल कंपनी की टीवी, नीचे रखे स्पीकर सहित वायफाई का बॉक्स, गैस का बर्नर, पीतल की 10 कटोरी तथा 2 कटोरे एवं 1 ट्रे चुराकर ले गया। तबियत खराब होने के कारण वह अपना इलाज कराने के बाद गुरुवार को थाने पहुंची और पुलिस को शिकायत की।

भदभदा पुल के पास मिला युवक का शव

भोपाल। रातीबड़ पुलिस ने भद्भदा पुल के पास से शुक्रवार दोपहर अज्ञात युवक का शव बरामद किया है। मृतक के पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। अंदर वाहन नहीं जाने के कारण करीब पांच सौ मीटर तक पुलिस को स्टेचर पर शव ले जाना पड़ा। पुलिस ने शव मर्चूरी में रख दिया है। शव की शिनाख्ती के प्रयास किया जा रहे हैं। एएसआई नंद किशोर दुबे ने बताया कि शुक्रवार दोपहर सूचना मिली कि भद्भदा पुल के नीचे पानी में किसी युवक का शव पड़ा है। वे कांस्टेबल विनित यादव के साथ मौके पर पहुंचे। गोताखोरों की मदद से शव बाहर निकालने के बाद घटनास्थल का निरीक्षण किया गया, लेकिन ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला जिससे की शव की शिनाख्त की जा सके। मृतक की उम्र करीब 40 साल के आसपास बताई जा रही है। मृतक के शरीर पर शर्ट नहीं थी। वह नीले रंग की पेंट पहने हुए है। उसके बाएं हाथ पर निशान बना है। अनुमान है कि वह सिक्ख समाज का है।

प्रो. हिंडोलिया ने हिंदी विवि के नए कुलपति का पद संभाला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के प्रो. देव आनंद हिंडोलिया ने कुलपति का प्रभार ग्रहण करने के बाद विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण कर समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों से व्यक्तिगत रूप से भेंट की और विश्वविद्यालय के कार्यों की प्राथमिक जानकारी प्राप्त की। प्रोफेसर हिंडोलिया ने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय एक जीवंत संस्था होता है, जिसकी आत्मा शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी होते हैं। उन्होंने समग्र सहयोग और सामूहिक भागीदारी की भावना से कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की और

कहा कि हम सब मिलकर एक नवीन, सशक्त और गुणवत्तापूर्ण विश्वविद्यालय की परिकल्पना को साकार करेंगे। इस सभा में विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रो,हिंडोलिया स्पष्ट किया कि आगामी समय में शिक्षण, शोध और प्रशासन के प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता, नवाचार और उत्तरदायित्व की भावना को प्राथमिकता दी जाएगी।

मेट्रो एंकर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्डर्स के सीईओ ने डीजीपी को भेंट किया सर्टिफिकेट

नशे से दूरी-है जरूरी ने बनाया वर्ल्ड रिकार्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पुलिस के नशे के विरूद्ध 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक नशे से दूरी-है जरूरी राज्यव्यापी जनजागरूकता अभियान ने अपनी व्यापकता, प्रभावशीलता तथा वृहद स्तर पर जनसहभागिता के चलते वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के 57 जिलों के 1175 थानों द्वारा संचालित इस अभियान में लगभग

23 लाख लोगों ने प्रत्यक्ष सहभागिता तथा सोशल मीडिया माध्यमों से 6.35 करोड़ लोगों ने सहभागिता की।

पुलिस मुख्यालय में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्डस के सीईओ तथा प्रेसीडेंट संतोष शुक्ला ने पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा और एडीजी नारकोटिक्स के.पी. व्यंकटेश्वर राव से भेंट कर सर्टिफिकेट प्रदान किया। उन्होंने 13 सितंबर को ब्रिटिश पार्लियामेंट में आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में डीजीपी मकवाणा को आमंत्रित भी किया। इस दौरान डीजीपी ने कहा कि प्रदेश के युवाओं और किशोरों को नशा मुक्त रखना हमारा शासकीय कर्तव्य ही नहीं नैतिक दायित्व भी है। इस अभियान के दौरान सभी पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, अन्य सहयोगी विभाग, विभिन्न संगठनों के अथक प्रयास से यह अभियान एक जनआंदोलन बन गया। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य कभी भी कोई विश्व रिकॉर्ड बनाना नहीं था। हमारा असली मकसद था कि अधिक से अधिक लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाए। यदि इस अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है, तो यह हम सभी पुलिसकर्मियों, सहयोगी संस्थाओं और प्रदेश की जनता के समर्पण का परिणाम है। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्डस के सीईओ ने मध्यप्रदेश पुलिस के इस अनूठे जन जागरण अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान अपने उद्देश्य में सफल रहा।

छापर डेम में डूबने से युवक की मौत

भोपाल। गुनगा थाना क्षेत्र स्थित छापर डेम में डूबने से युवक की मौत हो गई। वह गुरुवार दोपहर से लापता था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीए म बाद परिजन को सौंप दिया है। हेड कांस्टेबल मनोज वर्मा ने बताया कि पवन विश्वकर्मा पिता राधेश्याम विश्वकर्मा (28) गांधी नगर का रहने वाला था और अशोका गार्डन सेमरा में एक मैकेनिक की दुकान पर काम करता था। पवन के माता पिता कृष्णा आश्रम, गुनगा में इलाजरत है। दरअसल, उन्हें कुष्ठ रोग है और आश्रम में रोग निवारण किया जाता है। पवन अपने माता पिता के साथ आश्रम में रह रहा था। गुरुवार दोपहर वह आश्रम से माता पिता को बिना बताए निकला था। इसके बाद रात शाम को आश्रम नहीं पहुंचा। पिता ने उसकी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। उसके दोस्तों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि वह छापर डेम गया था। इसके बाद से ही उसका कुछ पता नहीं है। उसके दोस्त ने गुनगा थाने पहुंचकर उसकी गुमशुदगी भी दर्ज कराई। शुक्रवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि डेम मे किसी युवक की लाश पड़ी हुई है। पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से लाश को बाहर निकाला गया। उसकी पहचान पवन के रूप में कर ली गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022